सांध्य दैनिक

4PM

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 47 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार, 21 मार्च, 2022

मूल्य ₹ 3/-

एक छोटी सी मोमबत्ती का प्रकाश कितनी दूर तक जाता है! इसी तरह इस बुरी दुनिया में एक अच्छा काम चमचमाता है।

-विलियम शेक्सपीयर

जिद...सच की

मार्च में ही आसमान से बरसने... 7 | नई विधान सभा में हर चौथा विधायक... 3 | भाजपा के संरक्षण में अपराधी... 2

योगी की ताजपोशी को भव्य बनाने की तैयारी, दिग्गजों का लगेगा जमावड़ा

» 25 मार्च को इकाना स्टेडियम में होगा शपथ ग्रहण समारोह, पीएम मोदी रहेंगे मौजूद

» विपक्षी दलों के नेताओं को भी भेजा गया न्योता, शाह 23 को पहुंचेंगे लखनऊ

» विधायक दल की बैठक में योगी आदित्यनाथ के नाम का होगा औपचारिक ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में लौटी भाजपा अब नयी सरकार के गठन में जुट गयी है। वहीं योगी आदित्यनाथ की ताजपोशी का समारोह भव्य और ऐतिहासिक बनाने की तैयारी की जा रही है। इकाना स्टेडियम को सजाया जा रहा है। यहीं पर योगी आदित्यनाथ दूसरी बार प्रदेश के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत कई केंद्रीय मंत्री शामिल होंगे। विपक्षी दलों के देश भर के प्रमुख नेताओं को भी शपथ ग्रहण समारोह का न्योता भेजा गया है।

योगी आदित्यनाथ के दूसरे शपथ ग्रहण समारोह के लिए करीब 50 हजार अतिथियों को निमंत्रण दिया गया है। भाजपा की ओर से केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को यूपी का पर्यवेक्षक बनाया गया है। वे 23 मार्च को लखनऊ पहुंचेंगे। वे 24 को विधायकों से मुलाकात करेंगे। शाह विधायक दल की बैठक में मौजूद रहेंगे। बैठक में मुख्यमंत्री के तौर योगी आदित्यनाथ का औपचारिक चयन होगा। इसके बाद योगी 25 मार्च को अपने दूसरे कार्यकाल की शपथ लेंगे। वहीं सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गये हैं।

कराया जाएगा मुंह मीठा

समारोह में आने वाले हर एक व्यक्ति के लिए मिठाई सहित पानी की व्यवस्था की जा रही है। जिला आपूर्ति अधिकारी सुनील कुमार को इस पूरे काम का जिम्मा सौंपा गया है। इसमें एफएसडीए और आबकारी विभाग के अधिकारियों को भी लगाया गया है। करीब 100 अधिकारियों के हवाले पूरी व्यवस्था रहेगी।

दिखेगा बदले मंत्रिमंडल का स्वरूप

मंत्रिमंडल में जातीय समीकरणों के साथ विधायकों की उच्च शिक्षा और उनके प्रोफेशनल और प्रशासनिक अनुभव पर फोकस किया जाएगा। इस बार भाजपा गठबंधन से 32 महिलाएं जीतकर आई हैं। उन्हें भी मंत्रिमंडल में जगह मिलेगी। भाजपा को गैर यादव पिछड़ों के अलावा दलितों और महिलाओं का वोट बहुतायत में मिला है। बसपा के खिसके दलित वोट बैंक ने भाजपा को चुना है इसलिए इस बार दलितों की मंत्रिमंडल में हिस्सेदारी बढ़ेगी।

फूलों से सजाया जा रहा पूरा इलाका

इकाना स्टेडियम और आसपास का इलाका फूलों से सजाया जा रहा है। लखनऊ डेवलपमेंट अथॉरिटी (एलडीए) ने 112 मुख्यालय से लेकर शपथ ग्रहण स्थल इकाना स्टेडियम तक की पूरी सड़क को फूलों से सजा दिया है। इसके लिए पूरे रूट पर करीब पांच हजार से ज्यादा छोटे-बड़े गमलों में फूलों के पौधे सजाए गए हैं। शहीद पथ को भी सजाया जा रहा है।

गरीबी व कुपोषण को लेकर अखिलेश ने भाजपा को घेरा, कहा

ये तमगे हैं सरकार की नाकामी के

» सपा प्रमुख ने नीति आयोग की रिपोर्ट का दिया हवाला देश के सबसे निर्धन राज्यों में शामिल यूपी

» प्रदेश में बढ़ते बाल मृत्यु दर का भी उठाया मुद्दा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक बार फिर प्रदेश की भाजपा सरकार के विकास के दावों को लेकर जमकर हमला बोला है। प्रदेश में गरीबी, कुपोषण और बाल मृत्यु दर को लेकर आयी नीति आयोग की रिपोर्ट को लेकर उन्होंने भाजपा सरकार पर तंज कसते हुए कहा है कि ये भाजपा सरकार की नाकामी के तमगे हैं। इसके साथ ही उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल से एक खबर भी पोस्ट की है, जिसमें नीति आयोग की रिपोर्ट प्रकाशित की गयी है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने ट्विटर हैंडल पर लिखा, भाजपा के राज में नीति आयोग के प्रथम बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) में उप्र देश के सबसे गरीब तीन राज्यों में शामिल है, सबसे अधिक कुपोषण में उप्र तीसरे स्थान पर है तथा बाल व किशोर मृत्यु दर श्रेणी में पूरे देश में उप्र सबसे खराब स्थिति में है। ये भाजपा सरकार की नाकामी के तमगे हैं।

गौरतलब है कि नीति आयोग ने अपनी पहली बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) रिपोर्ट में कहा है कि बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश देश के सबसे निर्धन राज्यों में शामिल हैं। सूचकांक के अनुसार, बिहार की 51.1 प्रतिशत आबादी गरीब है। इसके बाद झारखंड का नंबर है। वहां की 42.16 प्रतिशत आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवन बसर करती है। उत्तर प्रदेश तीसरे स्थान पर है, जहां के 37.7 प्रतिशत लोग निर्धन हैं। मध्य प्रदेश में 36.65 प्रतिशत और मेघालय में 32.67 प्रतिशत लोग गरीब हैं। देश के जिन राज्यों में सबसे कम गरीबी है, उनमें केरल (0.71 प्रतिशत) शीर्ष पर है। इसके बाद गोवा (3.76 प्रतिशत), सिक्किम (3.82 प्रतिशत), तमिलनाडु (4.89 प्रतिशत) और पंजाब (5.59 प्रतिशत) का स्थान है। केंद्र शासित प्रदेशों में दादरा और नगर हवेली में सबसे ज्यादा गरीबी है। वहां 27.36 प्रतिशत लोग गरीब हैं। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में 12.58 प्रतिशत और दिल्ली में 4.79 प्रतिशत लोग गरीब हैं। यह रिपोर्ट नवंबर 2021 में जारी की गयी थी। बताते चलें कि हाल में विधान सभा चुनाव में भाजपा ने दोबारा जीत दर्ज कर प्रदेश की सत्ता में वापसी की है और वह फिलहाल सरकार गठन में जुटी है।

कुपोषण में यूपी का हाल बेहाल

बिहार में कुपोषण के शिकार लोगों की संख्या सबसे ज्यादा है। इसके बाद झारखंड, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ का नंबर है। मातृत्व स्वास्थ्य से वंचित आबादी, स्कूल नहीं जाने, रसोई ईंधन और बिजली से वंचित लोगों के मामले में भी बिहार की स्थिति सबसे खराब है। बाल और किशोर मृत्यु दर श्रेणी में उत्तर प्रदेश का प्रदर्शन सबसे खराब है। इस मामले में इसके बाद बिहार और मध्य प्रदेश का स्थान है। स्वच्छता से वंचित आबादी के मामले में झारखंड की रैंकिंग सबसे खराब है।

संगठन का विस्तार करने में जुटी आप कई राज्यों के प्रभारियों का ऐलान

» केजरीवाल ने अपने सिपहसालार संदीप को गुजरात में उतारा

» सत्येंद्र जैन को हिमाचल प्रदेश की जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के बाद पंजाब में सरकार बनाने के बाद आम आदमी पार्टी अब बाकी राज्यों में पैर पसारने की तैयारी में है। इसके लिए कई राज्यों में आप ने संगठन मजबूत करना शुरू कर दिया है। गुजरात की जिम्मेदारी संदीप पाठक को दी गई है। पंजाब विधान सभा चुनाव 2022 में आम आदमी पार्टी ने शानदार जीत दर्ज करके सरकार बनाई। इस जीत का श्रेय संदीप पाठक को दिया जा रहा है।

आप ने छत्तीसगढ़ में दिल्ली सरकार में मंत्री गोपाल राय को प्रभारी बनाया है। संतोष श्रीवास्तव को संगठन मंत्री बनाया गया। पार्टी के विधायक सौरभ भारद्वाज को हरियाणा में चुनाव प्रभारी बनाया गया है। स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को हिमाचल प्रदेश का चुनाव प्रभारी बनाया गया है। मनीष सिसोदिया के करीबी रहे रत्नेश गुप्ता पहले ही हिमाचल में पार्टी का प्रभार संभाल रहे हैं। गुजरात के साथ हिमाचल प्रदेश में इस साल विधान सभा चुनाव होने वाले हैं और आम आदमी पार्टी ने वहां भी चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। केरल में ए राजा को प्रभारी बनाया गया है। विनय मिश्रा को पार्टी ने राजस्थान की कमान सौंपी है तो मालवीय नगर से विधायक सोमनाथ भारती को तेलंगाना का चुनाव प्रभारी बनाया गया है।

राज्य सभा के उम्मीदवार घोषित

पंजाब से राज्य सभा के लिए आम आदमी पार्टी ने पांचों नामों का ऐलान कर दिया है। इन सीटों के लिए क्रिकेटर हरभजन सिंह, पंजाब के आप सह प्रभारी राघव चड्ढा, आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर संदीप पाठक के नाम घोषित किए गए हैं। आप ने लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के चांसलर अशोक मित्तल और कृपा प्राण ब्रेस्ट कैंसर केयर चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक संजीव अरोड़ा के नाम का भी ऐलान किया है। सभी उम्मीदवारों ने अपना नामांकन भर दिया है।

भाजपा के संरक्षण में अपराधी बेखौफ : अखिलेश

» असामाजिक तत्वों को मिला अहंकारी नेतृत्व का साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी के संरक्षण में बेखौफ अपराधियों ने अपनी अवांछनीय गतिविधियां शुरू कर दी है। प्रशासनिक तंत्र भी उन पर हाथ डालने से हिचकता है। भाजपा राज में पहले भी भय और भ्रष्टाचार का बोलबाला था। दोबारा सत्ता में आने से असामाजिक तत्वों को अहंकारी नेतृत्व का साथ मिल गया है। समाजवादी पार्टी की ओर से कल जारी किए गए बयान में अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की वापसी पर सोनभद्र के दुद्धी क्षेत्र में होली पर हुड़दंगियों ने बुलडोजर पर बारात निकाली। पुलिस मूकदर्शक बनी रही।

गाजियाबाद में होली के दिन घर में घुस कर साहिबाबाद थाना क्षेत्र में 11वीं की छात्रा से गैंगरेप की विचलित करने वाली घटना प्रकाश में आई है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा के झूठे वादों से परेशान होकर बुंदेलखंड के किसान और युवा आत्महत्या करने को मजबूर हैं। 71 दिनों में 76 लोगों ने खुदकुशी की है। न युवाओं को रोजगार, न ही किसानों को उनकी उपज का दाम मिलने की उम्मीद है। आगरा में सत्ता संरक्षित माफिया डान की धमकी के बाद राजस्थान पलायन को मजबूर डाक्टर परिवार को सुरक्षा व न्याय मिलना चाहिए। गौरतलब है कि यूपी चुनाव में मिली हार के बाद सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव लगातार हार के कारण की तलाश करने में जुटे हुए हैं। समीक्षा का सिलसिला लगातार जारी है। समाजवादी पार्टी (एसपी) के नवनिर्वाचित विधायकों और विधान परिषद के मौजूदा सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक आगामी 26 मार्च को लखनऊ में होने जा रही है। राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र चौधरी ने बताया कि पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों और विधान परिषद के वर्तमान सदस्यों की बैठक आगामी 26 मार्च को लखनऊ में पार्टी मुख्यालय पर होगी जिसमें सभी विधायकों और विधान परिषद सदस्यों की उपस्थिति अनिवार्य है। साथ ही उन्होंने कहा कि इस बैठक की अध्यक्षता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव करेंगे। गौरतलब है कि पहले यह बैठक 21 मार्च को बुलाई गई थी लेकिन विधान परिषद चुनाव के नामांकन की वजह से अब यह 26 मार्च को होगी।

सपा 23 को मनाएगी लोहिया जयंती

समाजवादी पार्टी 23 मार्च को महान समाजवादी चिंतक डॉ. राम मनोहर लोहिया की 112वीं जयंती प्रदेश स्तर पर मनाएगी। सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने बताया कि राजधानी लखनऊ में पार्टी के प्रदेश कार्यालय सहित प्रदेश के विभिन्न जिला कार्यालयों में डा. राम मनोहर लोहिया के विचारों तथा समाजवादी नीतियों पर चर्चा और गोष्ठी के साथ अन्य कार्यक्रम आयोजित होंगे। डा. राम मनोहर लोहिया के सिद्धांतों और समाजवादी पार्टी की नीतियों पर विशेष रूप से चर्चा की जाएगी।

अति आत्मविश्वास के कारण हम हारे चुनाव : मसूद

» किसान आंदोलन की वजह से गठबंधन की लहर थी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सपा-रालोद गठबंधन पर टिकट बेचने का आरोप लगाते हुए राष्ट्रीय लोक दल के प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने वाले डॉ. मसूद अहमद ने कहा गठबंधन चुनाव इसलिए हारा क्योंकि अखिलेश यादव अति उत्साह में यह मान चुके थे कि वह मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। नतीजा उल्टा आया। डा. मसूद यह भी कहने से नहीं चूके कि कांग्रेस को छोड़ सभी राजनीतिक पार्टियों में टिकट बेचे जाते हैं। उन्होंने बताया कि वह भारतीय क्रांति मोर्चा नामक गैर राजनीतिक संगठन गठित कर अल्पसंख्यकों, दलितों, पिछड़ों और किसानों की आवाज उठाकर उनके लिए संघर्ष करते रहेंगे। मोर्चा की बैठक जल्द ही मुरादाबाद में होगी।

डा. मसूद अहमद ने कहा कि किसान आंदोलन की वजह से गठबंधन की लहर थी। यह बात और है कि गठबंधन अति आत्मविश्वास, सीटों के बंटवारे को लेकर ऊहापोह और टिकटों के वितरण में घालमेल के कारण हारा। गठबंधन में एका नहीं था और उसके घटक दलों में दूरी बनी रही। जयंत चौधरी जो सीटें मांग रहे थे, उन्हें नहीं मिली। हमारे कई नेता जो दो-तीन बार के विधायक थे और जिन्हें जनता पहचानती थी, चुनाव नहीं लड़ पाए। घटक दल के प्रदेश अध्यक्ष होने के नाते वह खुद टांडा से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे लेकिन उन्हें टिकट के काबिल नहीं समझा गया। डा. मसूद अहमद ने कहा कि विधानसभा चुनाव के पहले चरण के बाद रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव कहीं मंच साझा करते नहीं दिखे। आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर के साथ जो दुर्व्यवहार हुआ, उससे दलित भाजपा की ओर चले गए। डा. मसूद ने कहा कि जहां गठबंधन अति आत्मविश्वास का शिकार था, वहीं भाजपा नेताओं ने चुनाव प्रचार में पूरी ताकत झोंक दी। हालांकि चुनाव जीतने के लिए उन्होंने भाजपा पर सभी हथकंडों को आजमाने और ईवीएम के जरिये बेईमानी करने का भी आरोप लगाया।

केशव की कुर्सी बरकरार रहेगी खतरे में दिनेश शर्मा

» 25 मार्च को होगा योगी मंत्रिमंडल का गठन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा ने उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बनने वाली नई सरकार के मंत्रिमंडल के सदस्यों और विधान परिषद चुनाव में पार्टी उम्मीदवारों के नाम तय कर दिए हैं। मंत्रिमंडल में उपमुख्यमंत्री भी रहेंगे। करीब बीस नए चेहरे भी शामिल होने की संभावना है। कार्यवाहक उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य मंत्रिमंडल में बने रहेंगे, जबकि डॉ. दिनेश शर्मा की भूमिका बदली जा सकती है।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, सीएम योगी आदित्यनाथ, संगठन महामंत्री बीएल संतोष, प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव जितिन प्र सिंह व उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की मौजूदगी में हुई उच्चस्तरीय बैठक में विधान परिषद चुनाव में पार्टी के 36 उम्मीदवारों की सूची पर भी मुहर लगाई गई। पार्टी पदाधिकारियों संग कार्यकर्ताओं को भी चुनाव लड़ाया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक योगी मंत्रिमंडल के पहले चरण में शामिल होने वाले सदस्यों के नाम पर भी सैद्धांतिक सहमति हो गई है। मंत्रिमंडल में पीएम नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की झलक देखने को मिलेगी।

पूर्व राज्यपाल बेबी रानी मौर्य का मंत्री बनना तय

नई टीम में प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह को भी मंत्री बनाया जा सकता है। पुराने मंत्रियों में सिद्धार्थ नाथ सिंह, ब्रजेश पाठक, नंदगोपाल नंदी, सूर्य प्रताप शाही, रामपाल वर्मा, आशुतोष टंडन, मोहसिन रजा, अनिल राजभर और संदीप सिंह के नाम हैं। पूर्व आईपीएस असीम अरुण, राजेश्वर सिंह, जितिन प्रसाद, एके शर्मा, बेबी रानी मौर्य, अंगुला माहौर, प्रतिभा शुक्ला को भी मंत्री बनाया जाना तय माना जा रहा है।

प्रोटेम स्पीकर के लिए राजभवन भेजे गए 17 विधायकों के नाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 18वीं विधानसभा के गठन के लिए नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाने का नाम प्रोटेम स्पीकर करेंगे। इसके लिए विधानसभा सचिवालय की तरफ से 17 नवनिर्वाचित वरिष्ठ सदस्यों की सूची राजभवन भेजी गई है। अब राज्यपाल आनंदीबेन पटेल सूची में से किसी वरिष्ठ विधायक को प्रोटेम स्पीकर नामित करेंगी।

उत्तर प्रदेश विधानमंडल में विधानसभा का सत्र शुरू होने पर प्रोटेम स्पीकर की देखरेख में ही नए विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव और नवनिर्वाचित सदस्यों का शपथ ग्रहण कराया जाएगा। विधानसभा सचिवालय से राजभवन जिन 17 वरिष्ठ विधायकों की सूची भेजी गई है। उसमें सबसे पहला नाम समाजवादी पार्टी के विधायक आजम खां का है। आजम खां जेल में बंद होने के कारण प्रोटेम स्पीकर नहीं बन सकेंगे। आजम खां रामपुर से दसवीं बार विधायक चुने गए हैं। आजम खां के बाद वरिष्ठता में भारतीय जनता पार्टी के सुरेश कुमार खन्ना के साथ समाजवादी पार्टी के दुर्गा प्रसाद यादव व अवधेश प्रसाद हैं। यह तीनों नेता नौवीं बार सदस्य चुने गए हैं।

पूर्वांचल से कम नहीं होगा मंत्रियों का कोटा

» जहां हुआ भाजपा को नुकसान वहां भी साधने की कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूर्वांचल के आजमगढ़, मीरजापुर और वाराणसी मंडल के 10 जिलों से भाजपा की योगी के नेतृत्व वाली पिछली सरकार में 10 मंत्री थे। इसमें से दारा सिंह चौहान चुनाव के ठीक पहले ही पार्टी छोड़कर सपा में शामिल हो गए। गाजीपुर की संगीता बलवंत और बलिया से उपेंद्र तिवारी व आनंद स्वरूप शुक्ला चुनाव हार गए। पार्टी की सीटें भी पूर्वांचल में 2017 की अपेक्षा 12 कम हो गईं हैं। इस कारण लोकसभा चुनाव 2024 और पार्टी की पूर्वांचल में पकड़ बनाए रखने के लिए मंत्रियों के कोटे को बरकरार रखा जाएगा। पूर्व मंत्री और ओबरा से विधायक संजीव गौंड का इस बार भी मंत्री बनना तय है।

वह इकलौते आदिवासी मंत्री थे। सोनभद्र में भाजपा ने क्लीन स्वीप करते हुए चारों विधानसभा सीटें जीत ली हैं। अनुसूचित जनजाति को आरक्षित प्रदेश की मात्र दो ओबरा और दुद्धी यहीं हैं। सर्वाधिक आदिवासी भी यहीं हैं। सोनभद्र से सटा छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश व झारखंड का भी आदिवासी इलाका इससे लगा है। संजीव को सम्मानजनक जीत मिली और दोबारा चुने गए। इन तमाम समीकरणों को देखते हुए संजीव का मंत्री बनना तय है। विकास व कानून व्यवस्था भले ही योगी सरकार के दो मजबूत पक्ष रहे हों लेकिन जातियों के संतुलन की राजनीति से इनकार नहीं किया जा सकता। इस चुनाव से पूर्व सुभासपा के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने राजभर बिरादरी को एक और केवल एक नेता के रूप में दंभ भरते रहे। वह कुछ क्षेत्रों को छोड़कर राजभर को सुभासपा से जोड़े नहीं रख सके। बड़ी संख्या में राजभर बिरादरी का वोट लेने में भाजपा सफल रही। इसमें बड़ा योगदान अनिल राजभर का है इस मिशन पर वे पिछले पांच वर्ष से लगे थे। इस कारण अनिल राजभर का मंत्री ही नहीं कैबिनेट मंत्री बने रहना तय है।

एके शर्मा को मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी

मऊ निवासी व गुजरात काडर के पूर्व आईएएस एके शर्मा के भाजपा में शामिल होने और एमएलसी बनने के बाद से ही मंत्री बनाने के बात चलती रही है। इस बार जिस प्रकार से भाजपा को आजमगढ़, मऊ, बलिया और गाजीपुर में कई सीटें गंवानी पड़ी है उससे पूरी संभावना है कि उन्हें मौका देकर जिले, मंडल और भूमिहार वर्ग को साधने की होगी। वैसे मधुबन सीट से जीते बिहार के राज्यपाल फागू चौहान के पुत्र रामविलास को भी मंत्री बनाने की चर्चा है लेकिन जिस प्रकार से मोदी परिवारवाद पर हमला कर रहे हैं वैसे में संशय बना हुआ है। फिर भी आसपास के जिलों की बड़ी चौहान बिरादरी को साधने और दारा सिंह चौहान की काट के रूप में मौका मिल जाए तो कोई अचंभा नहीं होगा।

नई विधान सभा में हर चौथा विधायक ठाकुर या ब्राह्मण, यादव से ज्यादा कुर्मी प्रत्याशी पहुंचे सदन

» इस बार विधान सभा में मुस्लिम विधायक भी बढ़े

» जाति आधार पर टिकट बंटवारे का फॉर्मूला हिट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश चुनाव में सभी पार्टियों ने अपने-अपने हिसाब से सियासी समीकरण को साधने का दांव चला था। जाति आधार पर टिकट बंटवारे किए गए थे। बीजेपी के सोशल इंजीनियरिंग का फॉर्मूला योगी आदित्यनाथ के लिए हिट रहा तो सवर्ण समुदाय के लिए सुपरहिट रहा है। यूपी चुनाव नतीजे से योगी सरकार के सत्ता में वापसी के साथ-साथ ब्राह्मण समुदाय से सबसे ज्यादा विधायक जीतकर आए हैं तो दूसरे नंबर पर ठाकुर विधायकों की संख्या हैं।

वहीं, पिछली बार से ज्यादा मुस्लिम विधायक इस बार जीतकर आए हैं। यूपी की सियासत में ब्राह्मणों का दबदबा पूरी तरह से कायम है। इस बार 403 सीटों में से 52 ब्राह्मण विधायक चुनकर आए हैं, जिनमें से सबसे ज्यादा 46 बीजेपी से हैं जबकि पांच सपा और एक कांग्रेस से जीत दर्ज की है। ऐसे ही 49 विधायक ठाकुर समाज से जीतकर आए है, जिनमें बीजेपी गठबंधन से 43, सपा से 4, बसपा से एक और जनसत्ता पार्टी से राजा भैया हैं। इस तरह से सूबे में हर आठवां विधायक ब्राह्मण है जबकि चौथा विधायक ठाकुर या ब्राह्मण है।

यादव से ज्यादा कुर्मी विधायक बनने में सफल

यूपी में ओबीसी समुदाय में इस बार सबसे ज्यादा कुर्मी समुदाय से विधायक चुने गए हैं जबकि ओबीसी में उनकी आबादी यादव समुदाय से कम है। सूबे में 41 कुर्मी विधायक जीते हैं, जिनमें 27 बीजेपी गठबंधन से, 13 सपा गठबंधन से और एक कांग्रेस पार्टी से जीतकर सदन पहुंचे। वहीं, इस बार यादव विधायक की कुल संख्या सदन में 27 है, जिसमें से 24 सपा और तीन बीजेपी से जीत कर आए हैं।

बढ़ गया मुस्लिम समुदाय का प्रतिनिधित्व

सूबे में भले ही सपा गठबंधन सरकार बनाने में कामयाब नहीं रही हो लेकिन मुस्लिम समुदाय का प्रतिनिधित्व बढ़ गया। इस बार मुस्लिम विधायकों की संख्या 34 पर पहुंच गई है, जिसमें 32 सपा से और दो आरएलडी से जीते हैं। वहीं, 2017 के चुनाव में 23 मुस्लिम विधायक ही जीतकर आए थे जबकि इस बार बढ़कर 34 विधायक हो गए हैं। हालांकि, मुस्लिमों की आबादी के लिहाज से ये संख्या कम है।

राजभर समाज पर सपा गठबंधन का कब्जा

गुर्जर बिरादरी से कुल 7 विधायक जीते हैं, जिनमें पांच बीजेपी से और दो सपा से जीते हैं। राजभर बिरादरी में समाजवादी पार्टी गठबंधन ने बाजी मारी है। सपा गठबंधन से तीन राजभर समुदाय के विधायक जीत कर आए हैं जबकि बीजेपी से एक विधायक को जीत मिली। भूमिहार बिरादरी के 5 विधायक बने हैं, जिसमें से चार बीजेपी और एक सपा गठबंधन से है। दलितों की धोबी बिरादरी से सभी 4 सीटें बीजेपी ने जीती हैं जबकि खटीक समाज से 5 जीते हैं, जिसमें से 4 बीजेपी से और एक सपा गठबंधन से हैं।

दलितों में जाटव विधायकों का दबदबा

उत्तर प्रदेश में दलितों में इस बार बीजेपी ने फिर बाजी मारी है और खासकर जाटव समुदाय के बीच। सबसे ज्यादा बीजेपी से जाटव समुदाय के विधायक जीते हैं, जिनकी संख्या 19 है जबकि 10 सपा गठबंधन से। बसपा ने सबसे ज्यादा जाटवों का वोट पाया लेकिन उनका एक भी विधायक नहीं जीत सका। दलित में जाटवों के बाद दूसरी सबसे बड़ी बिरादरी पासी है। बीजेपी से 18 पासी विधायक बने हैं तो सपा से 8 और एक जनसत्ता पार्टी से जीत दर्ज की है।

कायस्थ समाज की भी तीन सीटें

कायस्थ समाज ने 3 सीटें जीती हैं। सभी बीजेपी से जीते हैं। दलित वाल्मीकि से एक वह सीट बीजेपी को मिली है जबकि एक सिख जीता है वह भी बीजेपी के टिकट पर विधान सभा पहुंचे हैं।

जाट समुदाय के 15 विधायक जीते

पश्चिमी यूपी में सियासी तौर पर दबदबा रखने वाली जाट समुदाय एक बार फिर बड़ी तादाद में जीत कर आए हैं। सपा और बीजेपी लगभग बराबर जाट समुदाय ने जीत दर्ज की है। इस बार कुल 15 जाट चुनकर आए हैं, जिसमें 8 बीजेपी से और 7 सपा गठबंधन से विधायक बने हैं।

वैश्य समुदाय का मात्र एक विधायक सपा से

बनिया और खत्री बिरादरी में बीजेपी का फिर जलवा रहा। इन दोनों समुदाय के 22 में से 21 बीजेपी से जीते हैं जबकि एक सपा से जीत दर्ज की है। पिछड़ी जाति में लोध एक बार फिर बीजेपी के साथ खड़े दिखाई दिए। लोध समुदाय से कुल 18 लोग जीतकर सदन पहुंचे हैं, जिसमें से 15 बीजेपी से जबकि तीन सपा से जीते हैं।

गैर-यादव ओबीसी में बीजेपी का वर्चस्व

गैर यादव ओबीसी में बीजेपी ने फिर बाजी मारी है। मौर्य, कुशवाहा, शाक्य और सैनी में बीजेपी ने 12 सीटें जीती हैं जबकि सपा गठबंधन को सिर्फ 2 सीटें मिली है। अति पिछड़ी जातियों में बीजेपी 7 और सपा को तीन सीटें मिली। निषाद, बिंद कश्यप मल्लाह इन जातियों में भी सबसे ज्यादा 6 विधायक बीजेपी गठबंधन से सदन में पहुंचे हैं जबकि सपा से दो विधायक जीते है। कलवार, तेली, सोनार जातियों से भी बीजेपी को सबसे ज्यादा 6 सीटें जीती जबकि एक सीट समाजवादी पार्टी गठबंधन को मिली।

यूपी के तीन सबसे गरीब विधायक

खुद का घर नहीं, थोड़े से रुपए लेकर चुनाव लड़े और जीत भी गए

यूपी में 91 फीसदी विधायक करोड़पति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधानसभा में इस बार कई तरह की विविधताएं दिखाई देंगी। पहली बार रिकॉर्ड 47 महिलाएं विधायक चुनी गईं हैं। दूसरी ओर 91 फीसदी ऐसे प्रत्याशी चुनकर विधान सभा पहुंचे हैं, जिनके पास करोड़ों रुपये की संपत्ति है। हालांकि कुछ ऐसे भी विधायक हैं जो काफी गरीब हैं। इनके पास खुद का घर भी नहीं है। 403 में से 366 विधायक ऐसे चुने गए, जिनके पास एक करोड़ या इससे ज्यादा की संपत्ति है। इस बार यूपी में गरीबों की आवाज उठाने के लिए 91 फीसदी करोड़पति विधायक चुनकर विधानसभा पहुंचे हैं। मतलब 403 में से 366 विधायक करोड़पति हैं।

इनके पास एक करोड़ या इससे अधिक की दौलत है। विधायकों की औसतन संपत्ति 8.06 करोड़ रुपये है। 2017 में चुने गए 80 फीसदी विधायक करोड़पति थे। मतलब इस बार इसमें दस फीसदी का इजाफा हुआ है। खैर, इन सबके बीच कुछ ऐसे नाम भी सामने

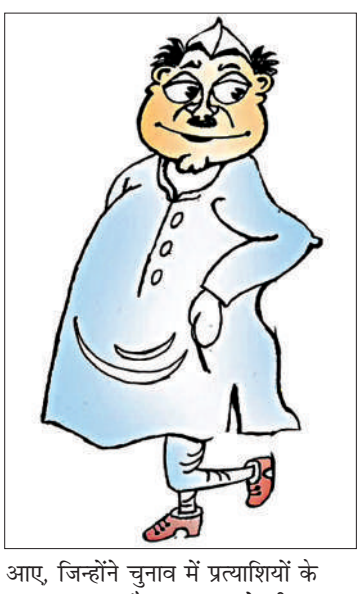

आए, जिन्होंने चुनाव में प्रत्याशियों के साथ धनबल और बाहुबल को भी हराया। हम आपको ऐसे ही तीन नामों के बारे में बताने जा रहे हैं। ये यूपी विधानसभा में चुनकर जाने वाले सबसे गरीब विधायक हैं। वहीं कई विधायक ऐसे भी है, जो कर्ज में डूबे हैं या यूं कहें उन पर लेनदेन या कर्जा है।

अनिल प्रधान (सपा)

चित्रकूट से समाजवादी पार्टी के टिकट पर जीतकर विधानसभा पहुंचे अनिल प्रधान यूपी के सबसे गरीब विधायक हैं। इनके पास महज 30 हजार 496 रुपये की संपत्ति है। अनिल के नाम खुद का न तो कोई घर है और न ही कोई जमीन। अनिल ने अपने हलफनामे में इसकी जानकारी दी है।

श्रवण कुमार निषाद (भाजपा)

गोरखपुर के चौरी-चौरा सीट से जीतने वाले भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी श्रवण कुमार निषाद यूपी के दूसरे सबसे गरीब विधायक हैं। श्रवण के पास कुल 72 हजार 996 रुपये की संपत्ति है। श्रवण ने बताया कि उनके नाम न तो कोई मकान है और न ही कोई जमीन है।

गुड़िया कठेरिया (भाजपा)

औरैया सीट से विधायक गुड़िया कठेरिया तीसरी सबसे गरीब विधायक हैं। गुड़िया के पास कुल 10.75 लाख रुपये की संपत्ति है। हालांकि गुड़िया के नाम न तो कोई मकान है और न ही कोई जमीन।

राकेश पांडेय (सपा)

अंबेडकर नगर की जलालपुर सीट से विधायक चुने गए समाजवादी पार्टी के राकेश पांडेय पर सबसे ज्यादा कर्ज है। राकेश ने चुनाव आयोग को दिए अपने हलफनामे में बताया है कि उनके ऊपर 23 करोड़ रुपये का कर्ज है। राकेश की कुल संपत्ति 63 करोड़ रुपये है।

अमित अग्रवाल (भाजपा)

मेरठ कैंट से भाजपा के विधायक अमित अग्रवाल कर्जदार विधायकों की सूची में दूसरे नंबर पर हैं। अमित पर कुल 13 करोड़ का कर्ज है। वहीं, ओवरऑल संपत्ति देखें तो इनके पास कुल 148 करोड़ से ज्यादा की दौलत है।

उमाशंकर सिंह (बसपा)

बलिया की रसड़ा सीट से उमाशंकर सिंह ने चुनाव जीता है। उमाशंकर बसपा के इकलौते विधायक चुने गए हैं। कर्जदार विधायकों की सूची में उमाशंकर तीसरे नंबर पर हैं। इन पर कुल 13 करोड़ रुपये का कर्ज है। इनमें 53 लाख रुपये का कर्ज विवादित है। उमाशंकर ने अपने हलफनामे में बताया है कि उनके पास 54 करोड़ रुपये की संपत्ति है।

विकास गुप्ता (भाजपा)

फतेहपुर की अयोह शाह सीट से भाजपा के विकास गुप्ता ने चुनाव जीता है। विकास के पास 32 करोड़ रुपये की संपत्ति है, लेकिन वह 12 करोड़ रुपये के कर्ज में भी डूबे हैं।

ओम कुमार (भाजपा)

बिजनौर की नहटौर विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के ओम कुमार ने जीत हासिल की है। सबसे ज्यादा देनदारी वाले विधायकों की सूची में ओम पांचवें नंबर पर हैं। ओम पर कुल 12 करोड़ रुपये की देनदारी है। अगर उनकी संपत्ति के बारे में बात करें तो उनके पास कुल 34 करोड़ रुपये की संपत्ति है।

राकेश सचान (भाजपा)

कानपुर देहात के भोगनीपुर से भाजपा के राकेश सचान विधायक चुने गए हैं। राकेश के पास 37 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति है। हालांकि वह आठ करोड़ रुपये के कर्ज में भी डूबे हैं।

अरमान खान (सपा)

लखनऊ पश्चिमी से समाजवादी पार्टी के अरमान खान ने जीत हासिल की है। अरमान के पास कुल 14 करोड़ रुपये की संपत्ति है जबकि छह करोड़ रुपये की देनदारी भी है।

मारिया (सपा)

बहराइच के मटेरा सीट से समाजवादी पार्टी की मारिया ने चुनाव जीता है। मारिया के पास कुल 13 करोड़ रुपये की संपत्ति है। मारिया के अपने चुनावी हलफनामे में बताया है कि उनके ऊपर पांच करोड़ रुपये की देनदारी भी है।

प्रकाश द्विवेदी (भाजपा)

बांदा से भाजपा के प्रकाश द्विवेदी विधायक चुने गए हैं। प्रकाश के ऊपर भी पांच करोड़ रुपये का कर्ज है। उन्होंने अपने चुनावी हलफनामे में बताया है कि उनके पास कुल 27 करोड़ रुपये की संपत्ति है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

कोरोना की रफ्तार ने फिर बढ़ाई चिंता

"विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, बीते एक सप्ताह में दुनियाभर में कोरोना के 1.10 करोड़ से ज्यादा नए मामले सामने आए हैं जो इससे पहले के हफ्ते से 8 फीसदी ज्यादा हैं। चीन और दक्षिण कोरिया में कोरोना के मामले 25 फीसदी और मौतें 27 फीसदी तक बढ़ गई हैं। अफ्रीका में भी नए मामलों में 12 फीसदी और मौतों में 14 फीसदी की वृद्धि हुई है जबकि यूरोप में नए मामले दो फीसदी बढ़े हैं।

दुनिया में एक बार फिर कोरोना वायरस के केस तेजी से बढ़ने लगे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक एक सप्ताह में संक्रमण दर में आठ फीसदी का उछाल आया है। चीन समेत कई यूरोपीय देशों में इसका प्रकोप बढ़ रहा है। कोरोना के ताजा हालातों को देखते हुए भारत में चौथी लहर की आशंका जतायी जाने लगी है। लिहाजा सरकार ने एक बार फिर राज्यों को अलर्ट किया है। सवाल यह है कि वैक्सीनेशन के बावजूद कोरोना वायरस पर लगाम क्यों नहीं लग पा रही है? क्या एक बार फिर दुनिया भर में पाबंदियों का दौर शुरू हो सकता है? क्या भारत ने इसको रोकने के लिए कोई ठोस रणनीति बनायी है? क्या एक और लहर वैश्विक आर्थिक मंदी को न्योता नहीं देगी? क्या कोरोना प्रोटोकॉल में लापरवाही के कारण हालात बिगड़ रहे हैं? क्या भारत की स्वास्थ्य सेवाएं एक और लहर को संभाल सकेगी?

देश में कोरोना संक्रमण भले काबू में आता दिख रहा हो लेकिन पड़ोसी मुल्क चीन समेत कई देशों में बढ़ते संक्रमण ने चिंता बढ़ा दी हैं। सरकार ने कोरोना प्रोटोकॉल के पालन समेत सर्विलांस और जीनोम सिक्वेंसिंग बढ़ाने के आदेश दिए हैं। चीन की हालत सबसे खराब हैं। यहां रोजाना तीन हजार से अधिक मामले सामने आ रहे हैं। कई शहरों में लॉकडाउन लगा दिया गया है। यहां ओमिक्रॉन का सब-वैरिएंट बीए-2 तबाही मचा रहा है। वहीं कुछ देशों में डेल्टाक्रॉन वैरिएंट के केस सामने आ रहे हैं। हांगकांग, दक्षिण कोरिया समेत अफ्रीकी और यूरोपीय देशों में कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, बीते एक सप्ताह में दुनियाभर में कोरोना के 1.10 करोड़ से ज्यादा नए मामले सामने आए हैं जो इससे पहले के हफ्ते से 8 फीसदी ज्यादा हैं। चीन और दक्षिण कोरिया में कोरोना के मामले 25 फीसदी और मौतें 27 फीसदी तक बढ़ गई हैं। अफ्रीका में भी नए मामलों में 12 फीसदी और मौतों में 14 फीसदी की वृद्धि हुई है जबकि यूरोप में नए मामले दो फीसदी बढ़े हैं। हालांकि, यूरोप में मौतों का आंकड़ा स्थिर बना हुआ है। इसके कारण दुनिया भर के विशेषज्ञ अब एक और लहर की आशंका जताने लगे हैं। वैक्सीनेशन के बावजूद इन देशों में कोरोना के केस बढ़ने से भारत में भी चिंता बढ़ गयी है। यदि एक और लहर आयी तो देश की अर्थव्यवस्था बिगड़ जाएगी। सरकार को स्वास्थ्य सेवाओं को कोरोना के मद्देनजर तैयार करना होगा। वहीं आम आदमी को कोरोना प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करना होगा। वैक्सीनेशन और प्रिकाशन डोज की रफ्तार भी बढ़ानी होगी और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर नजर रखनी होगी। अन्यथा हालात फिर खराब हो सकते हैं।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

रूस-यूक्रेन युद्ध और भारतीय हित

अजीत रानाडे

रूस का यूक्रेन पर हमला शायद तुरंत खत्म नहीं होगा। हालांकि कठोर कूटनीतिक व आर्थिक पाबंदियां लगायी जा रही हैं। पाबंदियां कारगर हो रही हैं और बड़े रूसी कारोबारों पर भारी असर पड़ रहा है। इराक, अफगानिस्तान या ईरान पर पहले लगीं पाबंदियों की तुलना में इस बार उन्हें सोच-समझ कर लगाया जा रहा है। उदाहरण के लिए रूस में उड़ान सेवा लगभग बाधित रहेगी क्योंकि किराये पर दिये गये जहाजों का करार तोड़ा जा सकता है या बीमा सुरक्षा को रोका जा सकता है। बड़ी संख्या में व्यावसायिक जहाज बोइंग और एयरबस कंपनियों के हैं जो उस देश से हैं जो पाबंदियों को असरदार बनाने में जी-जान से जुटा हुआ है। बाहर से आनेवाले पर्यटकों की संख्या भी घटेगी। विदेशों में रूस के अरबपतियों की संपत्ति जब्त की जा रही है।

स्विफ्ट प्रणाली के जरिये डॉलर में होनेवाले लेन-देन में बाधा आयेगी। रूस से निर्यात होनेवाली चीजों का कुछ विरोध या बहिष्कार होगा। तेल और गैस का निर्यात खास कर यूरोप को जारी रह सकता है पर युद्ध के जारी रहने पर उस पर भी पाबंदी लगेगी। अमेरिकी कंपनियां रूस में अपना कारोबार समेट रही हैं। यूक्रेन का प्रतिरोध भी उम्मीद से कहीं अधिक मजबूत है। अमेरिका अधिकतर देशों को अपने पाले में लाने में कामयाब रहा है और संयुक्त राष्ट्र में रूसी हमले की निंदा के प्रस्ताव का कई देशों ने समर्थन किया है। रूस के साथ मजबूत और पुराने रिश्तों के कारण तथा क्षेत्रीय भू-राजनीति पर असर के आकलन के आधार पर भारत जैसे देशों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। भारत अपने पड़ोसी नहीं चुन सकता है पर वह ऐसे देश के मामले में संयुक्त राष्ट्र में तटस्थ रह सकता है जिसके साथ उसके ऐतिहासिक, कूटनीतिक और सैन्य संबंध हैं। चीन ने भी मतदान में हिस्सा नहीं लिया लेकिन उसने संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के बारे में ऐसी बातें कहीं जो परोक्ष रूप से रूस का समर्थन है। इससे चीन की स्थिति कठिन हो गयी है। ऐसे में सवाल उठता है कि आनेवाले सालों में भारत का भू-राजनीतिक रुख क्या हो सकता है। तेल की ऊंची कीमतों और निवेशकों की चिंता के कारण तात्कालिक प्रभाव तो नकारात्मक हैं। भारत का तेल घाटा बहुत अधिक होने के साथ चालू खाता घाटा भी बहुत है जिसे पाटने के लिए हमें निवेशकों के डॉलर की लगातार जरूरत है। मुख्य रूप से पश्चिमी निवेशकों के कारण तीन दशकों से यह

आपूर्ति होती रही है। खाद्य सुरक्षा के मामले में भारत की स्थिति मजबूत है। संसाधनों की कमी के चलते हमारी सैन्य क्षमता चीन से बहुत कम है लेकिन तैयारी के स्तर और भौगोलिक स्थिति से यह असंतुलन काफी हद तक कम हो जाता है।

शीत युद्ध के दौर में सोवियत संघ को रोकने के लिए अमेरिका ने चीन ने नजदीकी बढ़ायी थी। इस नजदीकी ने न केवल सोवियत संघ के खिलाफ अमेरिका की मदद की बल्कि दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध मजबूत हुए। चीनी आयात पर राष्ट्रपति ट्रंप के लगाये उच्च शुल्कों के बाद भी इनका द्विपक्षीय व्यापार 800 अरब डॉलर का है और इसमें कमी का कोई संकेत नही है। सोवियत संघ के पतन के बाद नब्बे का दशक अमेरिका के लिए सुनहरा दौर था। वहां सस्ते चीनी आयात के कारण मुद्रास्फीति में कमी आयी और चीन के विशेष आर्थिक क्षेत्रों में उत्पादन संयंत्र लगाकर अमेरिकी कॉरपोरेशनों ने खूब मुनाफा कमाया। चीन मजबूत आर्थिक शक्ति है और अमेरिका को उसका वर्चस्ववादी रवैया मंजूर नहीं है। रूस एक कमजोर होती बड़ी शक्ति है जिसकी आबादी घट रही है और उसका आर्थिक आकार भी सिमट रहा है। वह नाटो को चुनौती देता रहेगा और यूक्रेन पर काबिज होने में भी वह कामयाब हो जायेगा। वैसे इसकी संभावना नहीं है। सबसे संभावित परिणाम है कि ऑस्ट्रिया या फिनलैंड की तरह यूक्रेन के निष्पक्ष रहने तथा नाटो की सदस्यता नहीं लेने की गारंटी मिल जाए जिसकी मांग रूस की ओर से की गयी है लेकिन अमेरिका को जल्दी ही अधिक अहम भू-राजनीतिक समीकरणों तथा बड़े प्रतिस्पर्द्धी चीन को लेकर रणनीति के बारे में सोचना होगा। अभी तक क्वाड समूह से भारत को कोई खास फायदा नहीं मिला है लेकिन भारत का रणनीतिक महत्व बढ़ सकता है। माना जा सकता है कि नयी स्थिति में अमेरिका को भारत से जुड़ने में कहीं अधिक लाभ दिखे उसके साथ भारत का मजबूत व्यापारिक और निवेश संबंध पहले से ही है। अगर घरेलू अर्थव्यवस्था में बढ़त बनी रहती हैभारत अमेरिका के लिए मजबूत चीन के बरक्स अहम हो सकता है। कहा जा सकता है कि भारत एक महत्वपूर्ण स्थिति में है और अब यह उस पर निर्भर करता है कि वह सावधानी से अपनी रणनीति और सक्रियता का चयन करे।

नदी संरक्षण के लिए उचित पहल

गोपाल कृष्ण

बजट भाषण में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि गंगा नदी के किनारे प्राकृतिक खेती करने का गलियारा बनाया जायेगा। उसके बाद अब केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय और जल शक्ति मंत्रालय ने संयुक्त रूप से घोषणा की है कि देश की 13 बड़ी नदियों. झेलम, चेनाब, रावी, व्यास, सतलज, यमुना, ब्रह्मपुत्र, लूनी, नर्मदा, गोदावरी, महानदी, कृष्णा और गोदावरी. के किनारे वृक्षारोपण किया जायेगा। मिट्टी की गुणवत्ता बढ़ाने एवं उसका संरक्षण करने, भूजल का स्तर और वन उत्पादन बढ़ाने की मंशा से की गयी यह पहल सराहनीय है। इस योजना के तहत 19 हजार करोड़ रुपये की लागत से 74 सौ वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में वन विस्तार होगा पर इसमें एक यह सवाल स्वाभाविक है कि क्या वृक्षारोपण को वन लगाने की श्रेणी में रखा जा सकता है।

दूसरी बात नदियों के बाढ़ मैदानों से जुड़ी हुई है। हर नदी के बाढ़ क्षेत्र की मिट्टी के स्वभाव और उसकी पारिस्थितिकी का समुचित अध्ययन कर अनुकूल पेड़-पौधे लगाने होंगे। ये क्षेत्र नदी का जल ग्रहण क्षेत्र होते हैं। अलग-अलग मौसम में इन्हीं क्षेत्रों में नदी अपने को बढ़ाती हैं या पुनर्जीवित करती हैं। ऐसा न हो कि इस योजना के तहत उसमें कोई अतिक्रमण हो इसलिए परियोजना के अध्ययन रिपोर्ट के बाद पर्यावरण संबंधी लेखा-जोखा भी होना चाहिए ताकि सही मंशा के बावजूद किसी तरह की गलती या गड़बड़ी को रोका जा सके और प्राकृतिक संवेदनशीलता का संरक्षण हो सके। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि देश की विभिन्न नदियों पर सरकार ने ध्यान केंद्रित किया है। अब तक की योजनाओं में आम तौर पर गंगा नदी को प्राथमिकता मिलती रही है। लगभग सभी नदी घाटियों में समस्याएं हैं। नदी बेसिन में पानी की कमी हो रही है। आसपास का पर्यावरण खतरे में है। इस लिहाज से पर्यावरण और जल शक्ति मंत्रालयों की संयुक्त पहल स्वागतयोग्य है।

छोटी-छोटी नदियों को भी हमें प्राथमिकता देनी होगी क्योंकि वे ही एक तरह से बड़ी नदियों का आधार होती हैं। इन सभी नदियों के जल ग्रहण क्षेत्र नसों और धमनियों की तरह आपस में जुड़े होते हैं। उल्लेखनीय है कि इन 13 नदियों के संवर्धन और संरक्षण की प्रक्रिया से उनसे संबंधित दो सौ से अधिक छोटी नदियों का भला हो सकेगा। कुछ रिपोर्टों में कहा गया है कि गंगा नदी के पानी की गुणवत्ता बेहतर हुई है। संभव है कि सांख्यिक रूप से आंशिक असर हुआ हो पर हमें इससे संतुष्ट नहीं हो जाना चाहिए। नदियों को बचाने और उनकी बेहतरी के प्रयास में हमें रासायनिक खेती तथा उद्योगों से होनेवाले प्रदूषण का भी संज्ञान लेना चाहिए। जब तक औद्योगिक व रासायनिक खेती होती रहेगी और उद्योगों का कचरा नदियों में प्रवाहित होता रहेगा। पानी के साथ-साथ मिट्टी और पेड़-पौधों को भी नुकसान होता रहेगा। बीते अनेक वर्षों से पर्यावरण की स्थिति से संबंधित रिपोर्टों में रेखांकित किया जाता रहा है कि हमारे देश में 45 प्रतिशत के आसपास क्षेत्र भू-क्षरण की समस्या से ग्रस्त है। जिन 13 नदियों के किनारे वन क्षेत्र के विस्तार का प्रस्ताव है उनके दायरे में देश की लगभग 60 फीसदी जमीन आती है।

हाल के समय में भू-क्षरण को रोकने और क्षरित मिट्टी को जीवित करने की ओर ध्यान दिया गया है पर वह पर्याप्त नहीं है। इस पहलू को भी प्रस्तावित योजना में प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मिट्टी से संबंधित राष्ट्रीय संस्थान के पास बहुत पहले से अध्ययनों का संकलन उपलब्ध है। उसका भी लाभ उठाया जाना चाहिए। मुझे भी लगता है और मंत्रालयों के दृष्टिकोण से भी इंगित होता है कि नदियों के किनारे व्यापक स्तर पर पेड़ लगाने का प्रमुख उद्देश्य भू-क्षरण को रोकना है। हमें इससे जुड़े अनुभवों को भी मद्देनजर रखना चाहिए। उदाहरण के रूप में चक्रीय विकास प्रणाली के प्रणेता मिट्टी वैज्ञानिक पीआर मिश्र का प्रयोग और उनकी उपलब्धि अनुकरणीय हैं। उन्होंने सुखना झील को पुनर्जीवित किया था। जैसा कि सरकार ने रेखांकित किया है। यदि यह योजना सफल होती है तो 13 नदियों के लगभग 19 लाख वर्ग किलोमीटर बेसिन क्षेत्र की स्थिति गुणात्मक रूप से बदल जायेगी। जलवायु परिवर्तन की चिंता वैश्विक स्तर पर प्राथमिक है और इस समस्या की चुनौती से निपटने में भारत जैसे देश की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। वन्य क्षेत्र के विस्तार से उत्सर्जित कार्बन को सोखने में बड़ी मदद मिल सकती है। जलवायु समझौतों और अन्य अंतरराष्ट्रीय पहलों में भारत ने स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन एवं उपभोग बढ़ाने तथा ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में उत्तरोत्तर कटौती करने से जुड़े बड़े-बड़े संकल्प किये गए हैं।

पिछले साल ग्लासगो में हुए जलवायु सम्मेलन में भारत ने वादा किया था कि 2030 तक कार्बन उत्सर्जन में एक अरब टन की कमी की जायेगी तथा 50 प्रतिशत ऊर्जा आवश्यकताओं को स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों से पूरा किया जायेगा। इन्हें पूरा करने के लिए बड़ी पहलों की आवश्यकता है। नदियों के किनारे वन क्षेत्रों के विस्तार की योजना ऐसा ही एक कदम है। लेकिन सभी आयामों को ध्यान में रखते हुए इस पर तुरंत काम भी शुरू होना चाहिए। साथ ही यह भी ध्यान रखना चाहिए कि नदियों से जुड़ी योजनाएं आम तौर पर बहुत सफल नहीं रही हैं। अच्छे अनुभवों के साथ-साथ उनकी कमियों से भी सीख लेना जरूरी है अन्यथा हमारे सामने नदियों को खो देने का खतरा उत्पन्न हो जायेगा।

ढेरों पोषक तत्वों से भरपूर है दही

स्किन ही नहीं पेट और बीपी में भी है लाभदायक

दही को खाने और लगाने से स्किन को कई तरह से फायदा पहुंचता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसके न सिर्फ ब्यूटी से जुड़े बल्कि शरीर की सेहत से जुड़े भी कई फायदे हैं। शरीर को ठंडक देने के साथ ही यह बॉडी को कई तरह से फायदा पहुंचाता है।

पेट के लिए है बेस्ट

दही में मौजूद प्रोबायोटिक पाचन के लिए बेहतरीन होता है। प्रोबायोटिक ऐसा बैक्टीरिया होता है जो खाने को तोड़ने के साथ ही उसे अच्छे से पचने में मदद करता है। पेट में होने वाली जलन को भी दही के सेवन से दूर किया जा सकता है।

दही को अपने आहार में जरूर शामिल करें। गर्मी में यह आपके शरीर को तो ठंडक देगा। साथ ही यह शरीर को दूसरी तरह से भी कई प्रकार का लाभ देगा।

इम्यूनिटी

शरीर को किसी भी बीमारी से बचाने के लिए बॉडी इम्यूनिटी का सबसे अहम रोल होता है। दही इसको बेहतर बनाने में बहुत मदद करता है। दही बीमारी को जन्म देने वाले बैक्टीरिया से लड़ता है और पेट को इन्फेक्शन से बचाता है। इसके साथ ही यह ओवरऑल इम्यूनिटी को भी सुधारता है।

अन्य फायदे

- दही को मुंह के छालों पर दिन में 2-3 बार लगाने से छाले दूर हो जाते हैं। दही और शहद को समान मात्रा में मिलाकर सुबह-शाम सेवन करने से भी मुंह के छाले दूर हो जाते हैं।
- नहाने से पहले बालों में दही से अच्छी तरह से मालिश करनी चाहिए। कुछ समय बाद बालों को धो लेने से बालों की खुश्की या रूसी खत्म हो जाती है।
- गर्मियों में अक्सर शरीर पर तेज धूप पड़ने से त्वचा टैन हो जाती है। ऐसे में टैनिंग कम करने के लिए दही एक बेहतर विकल्प है। इतना ही नहीं, दही में बेसन मिलाकर लगाने से भी चेहरे पर चमक आती है।
- दही में कैल्शियम ज्यादा मात्रा में पाया जाता है। यह हड्डियों के विकास में सहायक है। साथ ही दही, दांत और नाखून को भी मजबूत बनाता है। इससे मांसपेशियों के सही ढंग से काम करने में मदद मिलती है।

हाई बीपी में मदद

एक रिसर्च में यह सामने आया है कि वे लोग जो रोज दही का सेवन करते हैं उन्हें हाई बीपी की समस्या उन लोगों के मुकाबले 31 प्रतिशत कम होती है जो दही नहीं खाते हैं। दही में मौजूद पोटैशियम और मैग्नेशियम बीपी को कम करने और हार्ट को हेल्दी रखने में मदद मिलती है।

ठंडाई

इस देसी ड्रिंक का एक गिलास दूर कर देगा एसिडिटी की परेशानी

एसिडिटी की समस्या हो तो बैठना भी मुश्किल हो जाता है। इससे होने वाली परेशानी के कारण कई बार अस्पताल तक जाना पड़ता है लेकिन इस स्थिति से बचा जा सकता है।

गर्मियों में अक्सर लोगों को एसिडिटी की परेशानी होती है। इस वजह से कई बार वह खाने में कमी करते हैं जो ब्लोटिंग की समस्या को जन्म देती है। इन दोनों के चलते हालत खराब हो जाती है और जलन व दर्द के कारण काम करना भी मुश्किल हो जाता है। इस प्रॉब्लम से निपटने के लिए इस गर्मी आप एक खास ड्रिंक ट्राई कर सकते हैं।

ठंडक भी स्वादिष्ट भी

- खास बात यह है कि यह ड्रिंक आपको एसिडिटी और ब्लोटिंग से छुटकारा देने के साथ ही शरीर को ठंडक भी देगा और जीभ पर स्वादिष्ट स्वाद भी छोड़ेगा।
- सिलेब्रिटी न्यूट्रिशनिस्ट ऋजुता दिवेकर की इंस्टाग्राम पोस्ट के मुताबिक, गर्मियों में ठंडाई कई तरह से शरीर को फायदा पहुंचाती है। इसमें ठंडा दूध, बादाम, खस-खस, इलायची, केसर, नट्स और सौंफ होती है।
- इस कॉम्बिनेशन से शरीर को ठंडक मिलने के साथ ही एनर्जी भी मिलती है। पेट को भी यह फायदा पहुंचाता है। एसिडिटी के साथ ही यह गैस की समस्या में भी राहत देता है।
- इतना ही यह हॉर्मोन्स को भी बैलेंस करता है। इसकी एंटीऑक्सिडेंट प्रॉपर्टीज स्किन के साथ ही शरीर के लिए भी अच्छी होती है। पाचन को सुधारने के साथ ही यह गट-फ्रेंडली बैक्टीरिया को भी रिस्टोर करता है, जिससे पेट की सेहत बनी रहती है।

हंसना मना है

जैक : मम्मी, क्या मैं दोस्त के घर जाकर खेल लूं? मम्मी : जाओ, लेकिन सड़क तभी पार करना जब कार गुजर जाएं समझे, जैक बाहर जाकर डेढ़ घंटे बाद वापस आ गया। मम्मी : तुम अभी यहीं घूम रहे हो? जैक : मैं सड़क तक गया था मम्मी, लेकिन अब तक एक भी कार वहां से नहीं गुजरी।

दो चूहों ने एक बार एक हाथी को पकड़ लिया, एक चूहा अपने दोस्तों को बुलाने चला गया, जब तक वह लौटा वह हाथी नहीं था उसने पूछा कहां हैं हाथी? चूहा बोला : पता नहीं कहां चला गया, अभी तो यहीं था। पहले चूहे को गुस्सा आ गया और बोला, झूठे मुझे सब पता हैं, तुम अब तक मुंह चला रहे हो।

एक आदमी कर्जदार से : तुम मेरे पैसे कब तक लौटा दोगे। कर्जदार : मुझसे क्या पूछते हो, मैं क्या ज्योतिषी हूं।

अध्यापक रामू से : भाईचारा शब्द को वाक्य में प्रयोग करो। रामू : जब मैंने दूधवाले से पूछा की दूध इतना महंगा क्यों बेचते हो तो वह बोला भाई चारा जो महंगा हो गया है।

कर्मचारी (मिल मालिक से) : सरकार, अब मेरी तनख्वाह बढ़ा दी जानी चाहिए, क्योंकि हाल ही में मेरी शादी हो गई हैं। मिल मालिक : देखो, मिल के बाहर होने वाली दुर्घटनाओं के जिम्मेदार हम नहीं हैं।

दो आदमी आपस में बातें कर रहे थे... पहला- ये 14 तारीख को क्या है? दूसरा- ये बता तू शादीशुदा है या तेरी गर्लफ्रेंड हैं? पहला- मैं शादीशुदा हूं... दूसरा- तो फिर तेरे लिए महावीर जयंती है...

कहानी | गलत मार्ग का अंजाम

किसी ग्राम में किसान दंपति रहा करते थे। किसान तो वृद्ध था पर उसकी पत्नी युवती थी। चंचल होने के कारण किसान की पत्नी सदा पर-पुरुष की टोह में रहती थी, इस कारण एक क्षण भी घर में नहीं ठहरती थी। एक दिन किसी ठग ने उसको घर से निकलते हुए देख लिया। उसने उसका पीछा किया और जब देखा कि वह एकांत में पहुंच गई तो उसके सम्मुख जाकर उसने कहा, देखो, मेरी पत्नी का देहान्त हो चुका है। मैं तुम पर अनुरक्त हूं। मेरे साथ चलो। वह बोली, यदि ऐसी ही बात है तो मेरे पति के पास बहुत-सा धन है। मैं उसको लेकर आती हूं, जिससे कि हमारा भविष्य सुखमय बीते। उस व्यक्ति ने कहा, ठीक है जाओ। कल प्रात:काल इसी समय इसी स्थान पर मिल जाना। इस प्रकार उस दिन वह किसान की स्त्री अपने घर लौट गई। रात होने पर जब उसका पति सो गया, तो उसने अपने पति का धन समेटा और उसे लेकर प्रात:काल उस स्थान पर जा पहुंची। दोनों वहां से चल दिए। दोनों अपने ग्राम से बहुत दूर निकल आए थे कि तभी मार्ग में एक गहरी नदी आ गई। उस समय उस ठग के मन में विचार आया कि इस औरत को अपने साथ ले जाकर मैं क्या करूंगा। और फिर इसको खोजता हुआ कोई इसके पीछे आ गया तो वैसे भी संकट ही है। अत: किसी प्रकार इससे सारा धन हथियाकर अपना पीछा छुड़ाना चाहिए। यह विचार कर उसने कहा, नदी बड़ी गहरी है। पहले मैं गठरी को उस पार रख आता हूं, फिर तुमको अपनी पीठ पर लादकर उस पार ले चलूंगा। दोनों को एक साथ ले चलना कठिन है। ठीक है, ऐसा ही करो। किसान की स्त्री ने अपनी गठरी उसे पकड़ाई तो ठग बोला, अपने पहने हुए गहने-कपड़े भी दे दो, जिससे नदी में चलने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होगी। और कपड़े भीगेंगे भी नहीं। उसने वैसा ही किया। उन्हें लेकर ठग नदी के उस पार गया तो फिर लौटकर आया ही नहीं। वह औरत अपने कुकृत्यों के कारण कहीं की नहीं रही। इसलिए कहते हैं कि अपने हित के लिए गलत कर्मों का मार्ग नहीं अपनाना चाहिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

धनलाभ- आर्थिक प्रयास बेहतर बने रहेंगे। उन्नति के अवसर बनेंगे। नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी। कारोबार बेहतर रहेगा। पेशेवरता से काम लेंगे। नए लोगों से लाभ होगा।

वृषभ

आज किसी नए काम की जिम्मेदारी मिलेगी। व्यापार में आज किसी नयी डील पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। आज किसी के साथ कोई भी गुप्त बात साझा करने से बचें।

मिथुन

कार्यक्षेत्र में आपके द्वारा किये गये नये कार्य को सराहा जायेगा। व्यापार में शत्रु पक्ष से बच कर रहें। जरूरत पढ़ने पर छोटी बहन से मदद मिलने पर मन को संतुष्टी प्राप्त होगी।

कर्क

कार्यक्षेत्र में नये प्रस्ताव प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार में लाभ प्राप्त होगा। घर में अचानक रिश्तेदारों और मेहमानों का आना हो सकता है। घर में खुशी का माहौल रहेगा।

सिंह

आज बाहरी लोगों के दबाव के चलते स्वयं को कुछ थका सा महसूस करेंगे। आप करना कुछ चाहते हैं लेकिन लोगों के दबाव के चलते आप कोई फैसला नहीं ले पा रहें।

कन्या

आज उत्साह के साथ काम करेंगे। सहकर्मी के साथ मनोरंजन हेतु बाहर कुछ प्लान कर सकते हैं। कोई उपयोगी और आपकी बेहद प्रिय वस्तु आज खो सकती है, सावधानी बरतें।

तुला

आज घर में कार्य की अधिकता रहेगी। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में आज बड़ी हानि हो सकती है। कोई भी डील करते समय कागजात पर हस्ताक्षर बिना पढ़ें ना करें।

वृश्चिक

कार्यक्षेत्र में लम्बे समय से चली आ रही किसी बड़ी परेशानी से आज आपको छुटकारा मिल सकता है। व्यापार में की जाने वाली डील आपके लिए फायदेमंद रहेंगी।

धनु

आज आप खरीदारी में अधिक व्यय कर सकते हैं। अपना बजट देखकर ही खर्च करें। कार्यक्षेत्र में किसी की बात को गलत तरीके से लेने में बचें। व्यापार में आर्थिक लाभ प्राप्त होगा।

मकर

आज आप खरीदारी में अधिक व्यय कर सकते हैं। अपना बजट देखकर ही खर्च करें। कार्यक्षेत्र में किसी की बात को गलत तरीके से लेने में बचें। व्यापार में आर्थिक लाभ प्राप्त होगा।

कुम्भ

आज का दिन आपके लिए फलदायक रहेगा। कार्यक्षेत्र में कार्य का दबाव कम रहेगा। आज आप अपने पसंद के काम में खुद को व्यस्त रखना पसंद करेंगे।

मीन

कार्यक्षेत्र में कोई भी नया काम शुरू करने से पहले उसको अच्छे से समझ लें। व्यापार में मनमुताबिक लाभ की स्थिति बनेगी। आज कोई भी बड़ा निवेश कर सकते हैं।

बालीवुड | मन की बात

द कश्मीर फाइल्स फिल्म देख मैंने भी उस दर्द को महसूस किया : सुनील शेट्टी

डायरेक्टर विवेक अग्निहोत्री की हालिया रिलीज फिल्म द कश्मीर फाइल्सलगातार सुर्खियों में है। आम लोगों के अलावा बॉलिवुड सिलेब्रिटीज भी इस फिल्म की जमकर तारीफ कर रहे हैं। कंगना रनौत, यामी गौतम, अक्षय कुमार, आर माधवन, परिणीति चोपड़ा, हंसल मेहता, परेश रावल जैसे सिलेब्स के बाद अब सुनील शेट्टी और रितेश देशमुख ने भी फिल्म की दिल खोलकर तारीफ की है। दोनों ने ट्वीट कर फिल्म देखने की अपील की है। सुनील शेट्टी ने द कश्मीर फाइल्स का बैनर शेयर करते हुए लिखा, कॉन्टेंट केवल किंग नहीं बल्कि किंगडम होता है। बेहतरीन नैरेटिव और परफॉर्मेंस इस बात का सबूत है कि द कश्मीर फाइल्स एक शानदार फिल्म है। अगर कोई बड़े पर्दे के जरिए उस दर्द को महसूस कर सकता है को मेकर्स को पूरे नंबर मिलते हैं। सुपर बॉलिवुड ऐक्टर रितेश देशमुख को भी द कश्मीर फाइल्स काफी पसंद आई है। उन्होंने इस फिल्म के शानदार प्रदर्शन की तारीफ की है। रितेश ने लिखा, यह एक ऐसी फिल्म की तारीफ करने का समय है जो रेकॉर्ड्स तोड़ रही है। एक छोटी फिल्म अभी तक की सबसे बड़ी फिल्म बनने जा रही है। इतना प्यार और तारीफ पाने के लिए बधाई अनुपम खेर और विवेक अग्निहोत्री और द कश्मीर फाइल्स की पूरी टीम। द कश्मीर फाइल्स देशभर में बॉक्स ऑफिस पर जोरदार बिजनस कर रही है। माना जा रहा है कि फिल्म अपने पहले हफ्ते में 90-100 करोड़ रुपये की कमाई कर रही है। विवेक अग्निहोत्री के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म को भारत ही नहीं बल्कि विदेशों में बसे लोग और प्रवासी भी बेहद पसंद कर रहे हैं।

करीना कपूर करेंगी ओटीटी डेब्यू

पिछले कुछ वक्त में कई सितारों और फिल्मकारों ने ओटीटी पर अपना दम दिखाया है। अब इन हस्तियों की लिस्ट में एक्ट्रेस करीना कपूर खान का नाम भी जुड़ता दिख रहा है, जिसकी आधिकारिक तौर पर भी घोषणा हो चुकी है। दरअसल, करीना जापानी लेखक कीगो हिगाशिनो के उपन्यास,द डिवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स पर आधारित एक मर्डर मिस्ट्री से अपनी डिजिटल शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। फिल्म का निर्देशन सुजॉय घोष द्वारा किया जाएगा और इसमें करीना के साथ जयदीप अहलावत और विजय वर्मा भी अहम किरदारों में नजर आने वाले हैं। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने निर्देशक के नेतृत्व में फिल्म के लिए एक स्क्रिप्ट रीडिंग सेशन के दौरान करीना, जयदीप और विजय ने वीडियो के जरिए फिल्म का ऐलान किया है। घोषणा पर अपने विचार साझा करते हुए करीना ने कहा, मैं इस रोमांचक परियोजना पर काम शुरू करने के लिए इंतजार नहीं कर सकती। इसमें अच्छी कहानी, एक दूरदर्शी निर्देशक और एक सुपर प्रतिभाशाली कलाकार और चालक दल है। बता दें कि हिगाशिनो की डिटेक्टिव गैलीलियो श्रृंखला का तीसरा उपन्यास द डिवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स उनकी सबसे प्रशंसित कृति मानी जाती है। इसने उन्हें जापान में एक उच्च सम्मानित साहित्यिक सम्मान नाओकी पुरस्कार दिलाया। उपन्यास ने प्रतिष्ठित होंकाकू मिस्ट्री अवार्ड भी जीता है। अपनी इस फिल्म के बारे में बात करते हुए घोष ने कहा, भक्ति शायद अब तक की सबसे अच्छी प्रेम कहानी है। इसे एक फिल्म में ढालने का मौका मिलना एक सम्मान की बात है। साथ ही मुझे करीना, जयदीप और विजय के साथ काम करने का मौका मिला है। प्रतीक्षा राव, निदेशक, फिल्म्स और लाइसेंसिंग, नेटफ्लिक्स इंडिया के लिए, थ्रिलर नेटफ्लिक्स इंडिया के स्लेट का एक अनिवार्य हिस्सा हैं और इस तरह के एक प्रशंसित उपन्यास पर आधारित फिल्म स्ट्रीमर की प्रोग्रामिंग सामग्री के लिए उपयुक्त प्रतीत होती है। राव ने कहा, थ्रिलर हमारी भारतीय फिल्म स्लेट का अभिन्न अंग हैं और हम अपने सदस्यों के लिए द डिवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स का रूपांतरण लाने के लिए और इंतजार नहीं कर सकते। यह फिल्म इसी साल 11 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है।

बॉलीवुड | तड़का

अंगूरी भाभी भी हुईं बोल्ड, शॉर्ट ड्रेस पहन मचाया कोहराम

छोटे पर्दे की मशहूर एक्ट्रेस शुभांगी अत्रे पिछले लंबे वक्त से सुपरहिट कॉमेडी शो भाबी जी घर में हैं में अंगूरी भाभी के रूप में दर्शकों का खूब मनोरंजन कर रही हैं। इसी शो के दम पर उन्होंने घर-घर में अपनी एक अलग और खास पहचान हासिल कर ली है। आज फैंस उनकी एक झलक के लिए बेताब रहते हैं। एक्ट्रेस भी कभी अपने फैंस को निराश नहीं करतीं।

शुभांगी अपने चाहने वालों के साथ सोशल मीडिया पर भी जुड़ी रहती हैं। एक्सर वह फैंस के साथ अपनी फोटोज और वीडियोज शेयर करती रहती हैं। शुभांगी बेशक शो में साड़ी और लहंगे गांव की सीधी-साधी महिला की भूमिका में दिखती हैं, लेकिन असल जिंदगी में वह किरदार से बिल्कुल अलग और काफी बोल्ड हैं। इसकी झलक वह अक्सर इंस्टाग्राम पर भी दिखाती रहती हैं। अब मंगलवार को शुभांगी ने फिर से फैंस के साथ अपनी 2 फोटोज शेयर की हैं। इनमें उन्हें ब्लैक कलर की शर्ट स्टाइल शॉर्ट ड्रेस पहने देखा जा रहा है। यहां शुभांगी अपने हाथ में नॉवल पकड़े पर्दा हटाकर बाहर की ओर झांकती हुई नजर आ रही हैं। यहां उनका नो-मेकअप लुक नजर आ रहा हैं। इन फोटोज में वह काफी हॉट और ग्लैमरस दिख रही हैं। अब शुभांगी के फैंस उनकी इन अदाओं पर फिदा हो गए हैं। एक्ट्रेस ने 40 की उम्र में भी खुद को काफी फिट रखा हुआ है।

अजब-गजब | जानिए क्या है इसके पीछे का रहस्य

भारत के इस गांव में हर मर्द करता है दो शादियां

दुनिया में कई अजीबोगरीब रीति रिवाज हैं जिनका पालन आज भी किया जाता है। दुनिया ही नहीं भारत में भी कई ऐसी परंपराओं का पालन किया जाता है जिनके बारे में जानकर आपको हैरानी होगी। दुनिया के ज्यादातर देशों में एक आदमी को एक ही पत्नी रखने का अधिकार है। भारत में अगर कोई शख्स शादीशुदा है, तो बिना तलाक के दूसरी शादी नहीं कर सकता है। बिना तलाक के दूसरी शादी करना गैरकानूनी माना जाता है।

लेकिन भारत में एक ऐसा गांव है जहां दो शादियां करना अनिवार्य है। यह गांव देश के राजस्थान राज्य में स्थित है। यहां रहने वाले हर शख्स ने दो शादी की है। इस गांव में दो शादियां करने पर लोगों के खिलाफ न कोई कानूनी कार्रवाई होती है और न ही शख्स की दोनों पत्नियां अपने अधिकारियों को लेकर आपस में लड़ती है। शख्स की दोनों पत्नियां एक ही घर में बहन की तरह रहती हैं। आइए जानते हैं आखिर इसके पीछे की वजह क्या है...

राजस्थान के जैसलमेर में यह अनोखा गांव स्थित है जिसका नाम रामदेयो गांव है। इस गांव में रहने वाला शख्स दो शादी करता है जिसके पीछे पुरानी परंपरा है। बताया है कि इस गांव में एक शादी करने वाले शख्स की पत्नी गर्भधारण नहीं करती है। अगर पहली पत्नी गर्भवती हो भी जाती है, तो सिर्फ बेटी का जन्म होता है। इसकी वजह से यहां के लोग दूसरी शादी करते हैं।

सबसे ज्यादा हैरान करने वाली बात यह है कि हर शख्स की दूसरी पत्नी सिर्फ बेटे को ही जन्म देती है। इसलिए मर्दों को अपना वंश बढ़ाने के लिए दूसरी शादी करना अनिवार्य है। इस गांव में शख्स की दो पत्नियां बहनों की तरह अपना जीवन व्यतीत करती हैं। इस रिवाज के बारे में सभी जानते हैं शायद इसीलिए पहली पत्नी अपने पति की दूसरी शादी का विरोध नहीं करती है।

नई पीढ़ी को नहीं पसंद है रिवाज

नई पीढ़ी के युवा इस परंपरा को पसंद नहीं कर रहे हैं। दो शादी करना गैरकानूनी है। अब लोगों का कहना है कि दूसरी शादी करने के लिए मर्दों का यह बहाना है। अपनी अजीबोगरीब परंपरा के लिए यह गांव मशहूर है। इस गांव के रिवाज के बारे में प्रशासन भी जानता है। लेकिन किसी भी शख्स के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाती है।

धोखाधड़ी करने वाले लोगों को क्यों कहा जाता है 420

जब भी कोई बेईमानी, ठगी या छल करता है, तो लोग उसे 420 कहते हैं। आपने कई बार इस तरह की बातें सुनी होंगी, जैसे- तुम तो बड़े 420 हो यार, वो तो 420 निकला। लेकिन बहुत कम लोग ही इसके पीछे की वजह जानते हैं। क्या आपने कभी सोचा है कि हम धोखाधड़ी या छल करने वाले के लिए 420 संख्या का ही इस्तेमाल क्यों करते हैं? इसकी जगह हम 421 या 520 क्यों नहीं बोलते? अगर आपको भी इसके बारे में जानकारी नहीं हैं, तो ये खबर आपके बड़े काम की है। आज हम 420 संख्या के पीछे का मतलब बताने जा रहे हैं। दरअसल, भारतीय दंड संहिता की धारा 420 के कारण ठगी, बेईमानी करने वाले लोगों को 420 कहा जाता है। जब भी कोई व्यक्ती ठगी, बेईमानी, धोखाधड़ी जैसे काम करता है, तो उस पर पुलिस के द्वारा धारा 420 लगाई जाती है। यही वजह है कि आम बोलचाल में लोग इस नंबर का ही इस्तेमाल करते हैं। कानूनी तौर पर जब कोई व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति के साथ धोखा करता है, छल करता है या बेईमानी से किसी दूसरे व्यक्ति की बहुमूल्य वस्तु या संपत्ति के साथ हेर फेर करता है या उसे नष्ट करता है, तो उसके खिलाफ धारा 420 लगाई जा सकती है। इतना ही नहीं अगर वो इस काम में किसी की मदद भी करता है, तो वह अपराधी माना जाता है। इसके अलावा जब कोई व्यक्ति अपने स्वार्थ के लिए दूसरे के साथ जालसाजी करता है, उसके नकली हस्ताक्षर करके, आर्थिक और मानसिक दबाव बनाकर उसकी संपत्ति को अपने नाम करता है तो उसके खिलाफ भी धारा 420 लगाई जा सकती है। वहीं इन मामलों की सुनवाई प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट की अदालत में होती है। अपराधी को इसमें अधिकतम सात साल की सजा हो सकती है। साथ ही जुर्माना भी लगाया जा सकता है। ये अपराध गैर-जमानती और संज्ञेय अपराध की श्रेणी में आता है। इसका मतलब ये है कि इन मामलों में थाने से बेल नहीं मिलती। ऐसे मामलों में खुद जज अदालत में फैसला करते हैं।

दो युवकों की हत्या से सनसनी परिजनों ने किया हंगामा

» प्रतापगढ़ में गला रेतकर उतारा गया मौत के घाट

» बागपत में स्वजनों ने सड़क पर शव रखकर लगाया जाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रतापगढ़। यूपी के प्रतापगढ़ और बागपत में दो युवकों की हत्या से सनसनी फैल गयी। प्रतापगढ़ में निमंत्रण में शामिल होने गए युवक की लोनी नदी के निकट धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या की गयी। रविवार की रात वारदात को हत्यारों ने अंजाम दिया। वहीं बागपत में एक युवक की हत्या कर शव कस्बे के पास ही फेंक दिया गया। आरोपियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर स्वजनों ने शव को थाने के बाहर सड़क पर रख जाम लगा दिया और हंगामा किया। पुलिस ने बल प्रयोग कर भीड़ को खदेड़ दिया।

प्रतापगढ़ के जेठवारा थाना क्षेत्र के शुकुलपुर काछा गांव निवासी 28 वर्षीय मनोज कुमार यादव पुत्र गंगा प्रसाद यादव 20 मार्च यानी रविवार को निमंत्रण में गया था। वहां से वह रात में घर वापस लौट रहा था। बताते हैं कि घर के निकट लोनी नदी के पास धारदार हथियार से गला रेतकर उसकी हत्या कर दी गई। सुबह गांव के लोग जब शौच के लिए गए तो नदी के किनारे युवक का शव देख खलबली मच गई। मौके पर जुटी भीड़ ने शव की शिनाख्त मनोज के रूप में करते हुए सूचना उनके स्वजनों को दी। मौके पर बिलखते हुए स्वजन भी पहुंचे। घटना की सूचना जेठवारा पुलिस को दी गई। पुलिस छानबीन कर रही है। युवक को किसने मौत के घाट उतारा, इसका क्या कारण था यह अभी रहस्य ही बना है। फिलहाल पुलिस जांच-पड़ताल व परिवारीजनों से पूछताछ कर रही है।

वहीं बागपत के छपरौली कस्बे की पट्टी धन्धान निवासी 28 वर्षीय मुन्ना पुत्र सुरेश शनिवार दोपहर से गायब था। वह अक्सर थाने और कस्बे में इधर-उधर घूमता रहता था इसलिए स्वजन उसकी खास चिंता नहीं करते थे। रविवार को एक व्यक्ति ने स्वजनों को सूचना दी कि छपरौली-बड़ौत मार्ग स्थित बिजलीघर के पास मुन्ना बेहोशी की हालत में पड़ा है। स्वजन मौके पर पहुंचे तो देखा मुन्ना के कान व एवं नाक से खून बह रहा था। स्वजन उसे सीएचसी ले गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मुन्ना की ममेरी बहन सरोज ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजने के बाद पुलिस ने उन पर दबाव बनाना शुरू कर दिया था कि मुन्ना की हत्या नहीं हुई है बल्कि उसकी सामान्य मौत हुई है। इससे स्वजन और मोहल्ले के लोग नाराज हो गए। शाम साढ़े पांच बजे पोस्टमार्टम के बाद लोगों ने शव थाने के सामने रखकर जाम लगा दिया और हंगामा शुरू कर दिया। सीओ ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में चोट के निशान आए हैं। स्वजन से तहरीर लेकर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। जल्द घटना का राजफाश कर दिया जाएगा।

परीक्षा देने गई छात्रा ने की आत्महत्या

» झाड़ियों में मिला शव सुसाइड नोट भी बरामद

» पुलिस कर रही मामले की जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हरदोई। कछौना कोतवाली परिसर से चंद कदमों की दूरी पर झाड़ियों में रविवार को संदिग्ध हालत में एक छात्रा बेहोशी की हालत में पड़ी मिली। डायल 112 पुलिस टीम ने उसके पास मिले आधार और मोबाइल से पहचान कर परिवार को जानकारी दी। आनन-फानन में उसे अस्पताल पहुंचाया गया लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। छात्रा के पास एक सुसाइड नोट भी मिला, जिसमें उसने किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है।

हरदोई-लखनऊ मार्ग के किनारे कोतवाली कछौना से कुछ दूरी पर झाड़ियों में एक युवती पड़ी देखी गई। उसके मुंह से झाग निकल रहा था। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आनन-फानन में उसे सीएचसी पहुंचाया और उसके पास मिले आधार पर मोबाइल से उसकी पहचान देहात कोतवाली क्षेत्र के महोलिया शिवपार निवासी सरस्वती गुप्ता के रूप में हुई। पुलिस ने उसके स्वजन को सूचना दी तो वह लोग भी पहुंच गए। सरस्वती गुप्ता लखनऊ में पालीटेक्निक की पढ़ाई करती थी। आज प्रयोगात्मक परीक्षा थी। सरस्वती रविवार को घर से लखनऊ जाने की बात कहकर निकली थी। रास्ते में वह कैसे उतर गई और उसके साथ कौन था यह कोई नहीं बता सका। वहीं सीएचसी पर सरस्वती की हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया पर रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। आकस्मिक चिकित्साधिकारी ने कोतवाली पुलिस को सूचना दी। देहात कोतवाली प्रभारी गंगेश शुक्ला ने बताया कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं है।

पुलिस के अनुसार सरस्वती के पास से एक रजिस्टर मिला है। एक पेज पर उसने सुसाइड नोट मिला, जिसमें उसने लिखा है कि मैं अपनी मौत की स्वयं जिम्मेदार हूं। मेरे घर का कोई जिम्मेदार नहीं है। मेरे घर को परेशान न किया जाए।

अब पीजी के बाद 10 साल सरकारी अस्पताल में देनी होगी सेवा

» नीट-पीजी मॉपअप राउंड काउंसलिंग में भरना होगा बॉन्ड गाइडलाइन जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विभिन्न सरकारी अस्पतालों में कार्यरत एमबीबीएस चिकित्सकों को नीट पीजी मॉपअप राउंड काउंसलिंग में भारांक दिया जाएगा। इसके तहत उन्हें बॉन्ड भरना होगा। पीजी करने के बाद उन्हें10 साल तक सरकारी चिकित्सालयों में सेवा देनी होगी।

मॉपअप राउंड में हिस्सा लेने वाले चिकित्सकों से उनके सरकारी अस्पताल में कार्यरत होने संबंधित विवरण मांगा गया है। इस संबंध में महानिदेशक डॉ. वेदब्रत सिंह ने सभी मुख्य चिकित्साधिकारियों, चिकित्सा अधीक्षकों को निर्देश जारी किया है कि निर्धारित प्रारूप में चिकित्सकों से संबंधित सूचना तत्काल भेजें। शासन की ओर से जारी गाइडलाइन में कहा गया है कि नीट पीजी मॉपअप राउंड में हिस्सा लेने वाले एमबीबीएस डॉक्टरों को स्नातकोत्तर कोर्स पूरा होने के बाद पूर्ववर्ती अस्पताल में ही कार्यभार ग्रहण करना होगा। अध्ययन की अवधि को सेवा अवधि माना जाएगा और विभाग द्वारा बॉन्ड भराया जाएगा। कोर्स पूरा होने के बाद 10 वर्ष की सेवा चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अस्पतालों में देनी होगी।

होली के गीतों से सराबोर हुए श्रोता

बिम्ब कला केंद्र के तत्वावधान में हुआ होली मिलन समारोह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी की प्रमुख साहित्यिक, सांस्कृतिक संस्था बिम्ब कला केंद्र के तत्वावधान में नगर के गोमती होटल के सभागार में रविवार को होली मिलन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें एक ओर जहां संस्था के कवियों ने अपनी रचनाओं से लोगों को गुदगुदाया वहीं दूसरी ओर संस्था के गायक कलाकारों ने बृज और अवध की होली के गीत गाकर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम का आरम्भ रवि सारस्वत ने किया। उन्होंने नाक से शहनाई, बांसुरी और सारंगी की ध्वनि निकालकर सबको अचंभित कर दिया । इसके बाद कविता पाठ का सिलसिला शुरू हुआ । अशोक कुमार, आनंद कनौजिया और उदय भान पांडेय ने होली गीत पेश किए। हास्य कवि राजेश अरोरा शलभ ने, अगर रूठी है पत्नी तो करो मनुहार होली में , दिलाकर चार-छह साड़ी करो सत्कार होली में कविता पेश कर लोगों को गुदगुदाया। इसके अलावा व्यंग्यकार श्याम मिश्र, कवि सूर्यकुमार पांडेय, लोक गायिका पद्मा गिडवानी, धनंजय मोघे,नीलिमा दत्त और दिनेश श्रीवास्तव ने अपने-अपने होली गीतों से समां बांधा। तबले पर सत्यम, बांसुरी पर दीपेन्द्र और हारमोनियम पर बृजेन्द्र व दिनेश ने संगत की। कार्यक्रम का समापन फूलों की होली से हुआ और अंत में बिम्ब कला केंद्र के संरक्षक प्रसिद्ध व्यंग्यकार गोपाल चतुर्वेदी और एस. के. अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आयोजक सदस्यों को बधाई दी।

मार्च में ही आसमान से बरसने लगी आग, तेजी से बढ़ रहा पारा

» सबसे गर्म झांसी, लखनऊ में भी हाल-बेहाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मार्च में ही मई जैसी गर्मी पड़ने लगी हैं। प्रदेश में झांसी सबसे ज्यादा गर्म रही वहीं लखनऊ में भी पारा तेजी से बढ़ने लगा है। झांसी में रविवार को अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया और ये इस सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि इस महीने पारा 40.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

झांसी में मार्च में ही मई जैसी गर्म पड़ने लगी है। गर्म हवा भी चलनी शुरू हो गई है। ऐसे में लोगों ने दिन में भी एसी चलाना शुरू कर दिया है। रविवार को झांसी प्रदेश में सबसे ज्यादा गर्म तो रहा ही साथ ही इस सीजन का भी सबसे ज्यादा गर्म दिन रहा। झांसी जिले का अधिकतम तापमान 39.7 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया जबकि, न्यूनतम तापमान भी 20.6 डिग्री सेल्सियस रहा। झांसी के बाद प्रदेश में आगरा सबसे अधिक गर्म रहा, जहां अधिकतम तापमान 39.4 डिग्री रहा। फिर प्रयागराज और वाराणसी में 39-39 डिग्री सेल्सियस अधिकतम पारा पहुंचा। मौसम वैज्ञानिक डॉक्टर मुकेश चंद ने बताया कि झांसी में अधिकतम पारा 37 डिग्री सेल्सियस रहता है मगर इस बार ज्यादा गर्मी पड़ रही है। इस महीने अधिकतम पारा 40.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। इसके अलावा कानपुर में पारा 38.8, सुल्तानपुर 37.6, बस्ती 37.5, हमीरपुर 37.2, बलिया 36.9 और लखनऊ में 36 डिग्री सेल्सियस रहा।

जौनपुर : जमीन विवाद में पुलिस टीम पर हमला

» 6 महिलाओं समेत आठ गिरफ्तार

» आरक्षी की तहरीर पर विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में दो पक्षों के बीच जमीन विवाद का मामला सुलझाने गई पुलिस टीम पर लोगों ने हमला कर दिया। इस हमले में राजेश कुमार नामक पुलिस दीवान सिर में चोट लगने से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने इस मामले में दोनों पक्षों की छह महिलाओं समेत कुल आठ लोगों को गिरफ्तार कर लिया और फिलहाल विधिक कार्रवाई कर रही है।

थाना बदलापुर स्थित ग्राम देवरिया की रहने वाली राधा नामक महिला ने डायल 112 को सूचना दी कि उसके खेत में लगे केले के पेड़ को विपक्षी रामप्रवेश काट कर ले गए हैं। सूचना पर थाना बदलापुर की पीआरवी मौके पर पहुंची। पीआरवी के पुलिसकर्मियों ने दोनों पक्ष में हो रहे झगड़े को शांत कराने का प्रयास किया। इस पर उन्होंने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। पुलिसकर्मी आरक्षी राजेश कुमार के सिर में चोट लगी। सीओ बदलापुर अशोक कुमार ने बताया कि थाना बदलापुर और अन्य पुलिस बल ने मौके पर पहुंचकर झगड़ा कर रहे 8 लोगों को मौके से गिरफ्तार किया, जिसमें 6 महिलाएं और दो पुरुष हैं। राधा एवं पुलिसकर्मी आरक्षी राजेश यादव की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

एमएलसी चुनाव : बीजेपी का ठाकुर-ओबीसी पर दांव

सपा के प्रत्याशियों में ठाकुर-यादवों पर जोर, दोनों की लिस्ट से दलित एकदम आउट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा के बाद विधान परिषद चुनाव को लेकर बीजेपी और सपा ने अपने-अपने पत्ते खोल दिए हैं। दोनों ही प्रमुख पार्टियों ने एमएलसी चुनाव के लिए अपने-अपने उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया है। विधान परिषद चुनाव में बीजेपी ने जहां सबसे ज्यादा ठाकुर समुदाय के उम्मीदवारों पर दांव लगाया है तो वहीं सपा ने यादव समुदाय पर भरोसा जताया है। हालांकि बीजेपी और सपा दोनों ने ही दलित समुदाय से किसी को भी एमएलसी का प्रत्याशी नहीं बनाया है।

स्थानीय निकाय क्षेत्र की 36 विधान परिषद सीटों में से बीजेपी ने सभी सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया है। बीजेपी ने सपा और कांग्रेस से आए दलबदलू नेताओं पर भरोसा जताया है तो सियासी समीकरण को साधने का दांव भी चला है। जातीय समीकरण के लिहाज से बीजेपी ने सबसे ज्यादा ठाकुर और पिछड़ा वर्ग पर सबसे ज्यादा भरोसा जताया है। बीजेपी ने 16 ठाकुर, 11 पिछड़े, 5 ब्राह्मण, 3 वैश्य और एक कायस्थ को एमएलसी का टिकट दिया है। बीजेपी ने कांग्रेस और सपा से आए दलबदलू नेताओं पर भरोसा जताया है। सपा से भाजपा में आए शैलेंद्र सिंह को सुल्तानपुर से, सीपी चंद को गोरखपुर-महराजगंज से, रवि शंकर पप्पू को बलिया से, नरेंद्र भाटी को बुलंदशहर से तो रमा निरंजन को झांसी-जालौन सीट से चुनाव मैदान में उतारा है। कांग्रेस से आए दिनेश प्रताप सिंह को रायबरेली और निर्दलीय जीत रहे चंचल सिंह को गाजीपुर से एमएलसी का कैंडिडेट घोषित किया है। ऐसे ही बसपा से आए बृजेश सिंह को भी कैंडिडेट बनाया है।

भाजपा ने छह और उम्मीदवारों का किया ऐलान

लखनऊ में प्रत्याशी रामचन्द्र प्रधान ने किया नामांकन

लखनऊ। विधान परिषद चुनाव के लिए भाजपा ने आज छह और उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया। जारी की गई सूची में सुभाष यदुवंश, अविनाश सिंह चौहान, विनीत सिंह, शैलेंद्र प्रताप सिंह, सुदामा सिंह पटेल और बृजेश सिंह प्रिशु को उम्मीदवार बनाया गया है। वहीं प्रत्याशी राम चन्द्र प्रधान ने नामांकन किया। भाजपा ने शनिवार को घोषित 30 उम्मीदवारों की सूची में 12 ठाकुर, 9 पिछड़े, पांच ब्राह्मण, तीन वैश्य और एक कायस्थ को टिकट दिया है। इसमें पार्टी ने अपने काडर के साथ सपा और कांग्रेस से आए नेताओं पर भी भरोसा जताया है। पिछड़े वर्ग में भी सभी प्रमुख जातियों को साधने का प्रयास किया है। साथ ही चुनाव में टिकट से वंचित रहे नेताओं को भी उच्च सदन में भेजने का रास्ता साफ किया है। भाजपा ने करीब 70 फीसदी सीटों पर अपने पुराने कार्यकर्ताओं को मौका दिया है।

सपा ने साधा ऐसे सियासी समीकरण

समाजवादी पार्टी 36 एमएलसी सीटों में से 34 सीटों पर खुद चुनावी मैदान में है तो 2 सीटें सहयोगी दल आरएलडी के लिए छोड़ी हैं। सपा ने सबसे ज्यादा 19 यादव समुदाय के प्रत्याशी बनाए हैं और इसके बाद चार अन्य ओबीसी को उम्मीदवार बनाया है। इसके अलावा चार मुस्लिम, तीन ठाकुर, तीन ब्राह्मण और एक जैन समुदाय के नेता को विधान परिषद का टिकट दिया है। इस तरह से सपा ने अपने सियासी समीकरण साधने का दांव चला है।

बीजेपी की लिस्ट में तीन महिलाएं

बीजेपी ने एमएलसी चुनाव में ठाकुर और ओबीसी की जातियों पर दांव खेला है। एमएलसी चुनाव के लिए भाजपा ने सबसे ज्यादा भरोसा ठाकुर समुदाय पर किया है। एमएलसी उम्मीदवारों सूची में 16 ठाकुर, 5 ब्राह्मण, 11 पिछड़े, तीन वैश्य, एक कायस्थ वर्ग का प्रत्याशी है। ओबीसी में तीन यादव, एक सैनी, दो जाट, दो कुर्मी, एक कलवार, एक नाई, एक गुर्जर का सूची में नाम है। बीजेपी ने तीन महिला कैंडिडेट उतारे हैं, जिनमें रमा निरंजन, डॉ. प्रज्ञा और वंदना मुदित वर्मा है।

उत्तराखंड में प्रोटेम स्पीकर ने नव निर्वाचित विधायकों को दिलाई शपथ

» ऋतु खंडूरी ने संस्कृत तो किशोर उपाध्याय ने गढ़वाली में ली शपथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड में भाजपा का नेता विधायक दल चुने जाने से पहले पांचवीं निर्वाचित विधानसभा के सदस्यों को शपथ दिलाई गई। सुबह 11 बजे प्रोटेम स्पीकर बंशीधर भगत ने उत्तराखंड की नव निर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलानी शुरू की। इस दौरान सबसे पहले विधायक अनुपमा रावत को शपथ दिलाई गई।

विधायक ऋतु खंडूरी ने संस्कृत में शपथ ली। किशोर उपाध्याय ने गढ़वाली में शपथ ली। खटीमा विधायक भुवन कापड़ी, गदरपुर विधायक अरविंद पांडेय, सोमेश्वर विधायक रेखा आर्य और मसूरी विधायक गणेश जोशी सहित सभी नवनिर्वाचित विधायकों ने शपथ ली। यह कार्यक्रम विधानसभा में आयोजित हुआ। बता दें कि 70 सदस्यीय पांचवीं विधानसभा में भाजपा के 47, कांग्रेस के 19, बसपा के दो और दो निर्दलीय सदस्य चुनकर आए हैं। कार्यवाहक मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी मौके पर मौजूद रहे। इससे पहले सुबह 10 बजे राजभवन में राज्यपाल ले जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) नामित प्रोटेम स्पीकर बंशीधर भगत को शपथ दिलाई। इस दौरान कार्यवाहक मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी उपस्थित रहे।

23 मार्च को हो सकता है शपथ ग्रहण

उत्तराखंड के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी आज दोपहर बाद देहरादून पहुंच गए हैं। शाम को राजनाथ सिंह बैठक करेंगे। नए मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण कार्यक्रम को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है, संभावना है कि 23 मार्च को शपथ ग्रहण हो सकता है।

स्वतंत्र देव ने हारे प्रत्याशियों से कहा यह क्षणिक विराम है, विश्राम नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

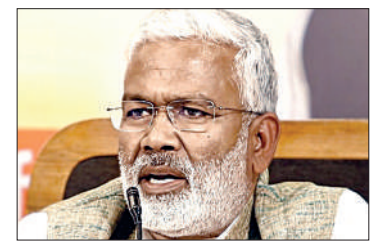

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 में प्रचंड जीत दर्ज करने के बाद अब भारतीय जनता पार्टी बड़े लक्ष्य की ओर बढ़ रही है। लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारी में लगी भारतीय जनता पार्टी के नेता तथा कार्यकर्ताओं को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने टानिक देने का काम किया है।

भारतीय जनता पार्टी, उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने हाल में विधानसभा चुनाव भाजपा के हारे प्रत्याशियों का हौसला बढ़ाने के लिए पत्र भेजा है। इस पत्र के माध्यम से उन्होंने बड़ा संदेश दिया है। उन्होंने लिखा है कि हार तो क्षणिक विराम है, विश्राम नहीं है। आप कुछ मतों से पीछे रह गए, पार्टी को संपूर्णता में जीत ही देखती है। भाजपा ने विधानसभा चुनाव में 255 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत की सरकार बना ली, लेकिन उसके 115 प्रत्याशी हार गए। अब पार्टी दोबारा सरकार बनने की खुशी में डूबी है, ऐसे में प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह की नजर उन प्रत्याशियों पर भी गई है, जो चुनाव नहीं जीत सके। प्रदेश अध्यक्ष ने ऐसे विधानसभा क्षेत्रों के प्रत्याशियों के साथ ही पदाधिकारियों-कार्यकर्ताओं को पत्र भेजकर प्रोत्साहित किया है। आप लोग कुछ मतों से पीछे जरूर रह गए, लेकिन भारतीय जनता पार्टी अपनी जीत संपूर्णता में देखती है। यह हमारे संगठन का संस्कार है।

प्रयागराज में फायरिंग करने वालों को ग्रामीणों ने घेरकर पीटा

» बीच-बचाव में एक की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के एक गांव में बाइक सवार तीन दबंग युवकों ने उत्पात फैलाने के लिए फायरिंग शुरू कर दी। इस बीच ग्रामीणों ने दो को पकड़ लिया और लाठी-डंडे से जमकर पीटा। इससे दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए।

सूचना पर पहुंची पुलिस घायलों को लेकर अस्पताल पहुंची। वहां एक युवक की मौत हो गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से जख्मी है। वहीं एक फरार हो गया। मौके से दो बाइक, तमंचा और खोखे बरामद किए गए हैं। पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के हरिरामपुर गांव में सोमवार सुबह बाइक से आए तीन दहशतगर्दों ने तमंचे से कई राउंड गोलियां चलाईं। इससे नाराज होकर ग्रामीणों ने तीनों को घेर लिया। लाठी-डंडे से दो आरोपितों को गंभीर रूप से घायल कर दिया, जबकि एक आरोपित फरार हो गया। कुछ ही देर में घायल एक आरोपित ने दम तोड़ दिया। मरने वाले की पहचान जफर आलम निवासी अतरौली, पुरामुफ्ती के रूप में की गई है। घायल का नाम नूर आलम बताया जा रहा है। हरिरामपुर गांव के ग्रामीणों का आरोप है कि तीनों अपराधी किस्म के हैं। अक्सर गांव में फायरिंग करके दहशत फैलाते थे।

चीन में 133 यात्री लेकर जा रहा प्लेन क्रैश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पड़ोसी देश चीन में बड़ा विमान हादसा हुआ है। दक्षिण चीन में एक जेट बोइंग 737 प्लेन हादसे का शिकार हो गया है। हादसे के वक्त प्लेन में 133 यात्री सवार थे। हालांकि हादसे में कितने लोग हताहत हुए हैं इसका पता अभी नहीं चल सका है। ये प्लेन चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस का था। बोइंग 737 ने कुनमिंग से गुआनझोउ के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन गुआंग्शी की पहाड़ियों में प्लेन हादसे का शिकार हो गया। हादसे की वजह से पहाड़ी में आग लग गई है। हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। स्थानीय मीडिया ने हादसे की जानकारी दी है।

गुजरात जेल में बंद बाहुबली अतीक अहमद ने मनाई होली

» फोटो सोशल मीडिया पर हुआ वायरल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा सरकार ने माफियाओं पर बुलडोजर चलवा कर दुबारा सत्ता हासिल कर ली है। इन सबके बावजूद माफियाओं के लिए जेलें ऐशगाह बनती नजर आ रही हैं।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर माफिया डॉन अतीक अहमद को गुजरात के साबरमती जेल में शिफ्ट कर दिया गया था लेकिन साबरमती जेल भी अतीक अहमद के लिए ऐशगाह बन गया है। ताजा मामला गुजरात के साबरमती जेल का सामने आया है जहा अतीक अहमद होली के दिन पूरे धूमधाम से होली मना रहा है और जश्न की फोटो बाकायदा खीच कर सोशल मीडिया पर अपलोड किया है। जश्न की फोटो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही हड़कंप मच गया है कि अतीक अहमद का गुजरात के साबरमती जेल में भी जलवा कायम है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।